हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 02 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 32 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय बजट को एस जयशंकर ने रोजगार और विकास केंद्रित बताया, वित्त मंत्री को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी और केंद्रीय बजट 2025 की सराहना करते हुए इसे दूरदेशी, रोजगार-केंद्रित और विकास-उन्मुख बताया। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए जयशंकर ने लिखा कि एक दूरदर्शी, रोजगार-केंद्रित और विकास-उन्मुख केंद्रीय बजट 2025 पेश करने के लिए एफएम सीतारमण जी को बधाई। बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप बताते हुए जयशंकर ने कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात पर बजट के फोकस पर जोर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जब संसद में अपना आठवां बजट पेश किया तो वह मधुबनी कढ़ाई वाली रेशमी साड़ी पहनकर पहुंची थी। सीतारमण के बजट भाषण के दौरान सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्यों ने बिहार का कई बार उल्लेख होने पर मेजें थपथपाकर खुशी जताई। इन घोषणाओं में आईआईटी-पटना में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने से लेकर भगवान बुद्ध से संबंधित स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है।

Budget 2025: सैलरीड क्लास को बड़ी राहत, अब 12.75 लाख तक की आय टैक्स फ्री

बजट 2025 में इनकम टैक्स में बड़ा बदलाव, 12.75 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं। वरिष्ठ नागरिकों और किराएदारों को राहत, 36 जीवनरक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी खत्म।

एजेंसी

नई दिल्ली: बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने करदाताओं को बड़ी राहत दी है। अब 12.75 लाख रुपए तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। हालांकि, यह सिर्फ सैलरी से आने वाले इनकम पर लागू होगा। अगर शेयर बाजार या दूसरे सोर्स से कमाई की जा रही है तो उसपर टैक्स देना होगा। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, अब बीते चार वर्षों का इनकम टैक्स रिटर्न एक साथ फाइल किया जा सकेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अच्छी खबर है। उनके लिए टीडीएस छूट सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख कर दी गई है। यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

टैक्स स्लैब में हुए बड़े बदलाव

बजट 2025 में टैक्स स्लैब में कई अहम बदलाव किए गए हैं। 4-8 लाख की आय पर 5% टैक्स लगेगा। 8-12 लाख की आय पर 10% और 12-16 लाख की आय पर 15% टैक्स लगेगा। वहीं, 16-20 लाख पर 20%, 20-24 लाख पर 25% और 24 लाख से अधिक की आय पर 30% टैक्स लगाया गया है। सरकार के इस कदम से टैक्सपेयर्स पर बोझ कम होगा और टैक्स प्रणाली अधिक समावेशी बनेगी। नए टैक्स स्लैब के मुताबिक, अब 12 लाख रुपए तक की आय पर 80,000 रुपए की बचत होगी। इसे उदाहरण से समझे, पहले, यदि किसी व्यक्ति की सालाना सैलरी 12 लाख रुपए थी, तो उसे 80,000 रुपए टैक्स के रूप में चुकाने पड़ते थे। लेकिन हालिया बदलाव के बाद यह टैक्स अब शून्य हो गया है। नए नियमों के तहत 16 लाख रुपए की आय पर 50,000 रुपए, 18 लाख रुपए की आय पर 70,000 रुपए, 20 लाख रुपए पर 90,000 रुपए और 25 लाख रुपए या उससे अधिक की आय पर 1.10 लाख रुपए की बचत होगी।

क्र.	स्लैब	टैक्स
1	₹0 से ₹4 लाख	0%
2	₹4 लाख से ₹8 लाख	5%
3	₹8 लाख से ₹12 लाख	10%
4	₹12 लाख से ₹16 लाख	15%
5	₹16 लाख से ₹20 लाख	20%
6	₹20 लाख से ₹24 लाख	25%
7	₹24 लाख से अधिक...	30%

सालाना आय	कुल कमाई
₹8 लाख	₹30,000
₹9 लाख	₹40,000
₹10 लाख	₹50,000
₹11 लाख	₹65,000
₹12 लाख	₹80,000
₹16 लाख	₹50,000
₹20 लाख	₹90,000
₹24 लाख	₹1,10,000
₹50 लाख	₹1,10,000

सात टैरिफ रेट हटाने का फैसला

सरकार ने बजट 2025 में टैक्स को और सरल बनाने के लिए 7 टैरिफ रेट को हटाने का फैसला किया है। अब केवल 8 टैरिफ रेट ही लागू होंगे। इसके अलावा, सोशल वेलफेयर सरचार्ज को हटाने का भी प्रस्ताव दिया गया है। सरकार के इस कदम से व्यापारियों और आम नागरिकों को फायदा होगा। इससे कर संरचना स्पष्ट होगी और व्यापारियों को अनुपालन में आसानी होगी।वरिष्ठ नागरिकों को मिली बड़ी राहत

'पिछले 10 वर्षों के हमारे विकास ट्रैक रिकॉर्ड ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है': वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2025 पेश करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। देश के पिछले 10 वर्षों के विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है।उन्होंने कहा, "इस अवधि में भारत की क्षमता और संभावनाओं पर विश्वास और बढ़ा है। हम अगले पांच वर्षों को 'सबका विकास' को साकार करने तथा सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास को प्रोत्साहित करने के एक अनूठे अवसर के रूप में देखते हैं।" वित्त मंत्री ने कहा, "विकसित भारत में शामिल हैं: शून्य गरीबी; शत-प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा; उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच; सार्थक रोजगार के साथ शत-प्रतिशत कुशल श्रम, आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएं, और हमारे देश को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' बनाने वाले किसान।इस बजट में दस प्रमुख क्षेत्रों में विकास उपायों का प्रस्ताव है, जिसमें गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इन पहलों का उद्देश्य कृषि विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देना, ग्रामीण समृद्धि और लचीलापन बनाना और सभी के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, बजट में विनिर्माण को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया पहल को आगे बढ़ाने, एमएसएमई का समर्थन करने और रोजगार आधारित विकास को सक्षम करने का प्रयास किया गया है। इसमें लोगों, अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश करने, ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और नवाचार को बढ़ावा देने पर भी जोर

राहुल का इखढ पर वार, बोले- अडानी-अंबानी जैसे लोगों का कर्ज माफ करते हैं मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली चुनाव को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सदर बाजार में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि आज बजट पेश किया गया, बजट का लक्ष्य 25 लोगों को फायदा पहुंचाना था। वो आपको थोड़ा देंगे, वो थोड़ा टैक्स माफ करेंगे लेकिन बजट का लक्ष्य अगर आप देखें तो भारत का पैसा 20-25 अरबपतियों तक पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि भारत में, 50% पिछड़ा वर्ग हैं, 15% दलित हैं, 8% आदिवासी हैं, 15% अल्पसंख्यक हैं और मान लीजिए, 5% गरीब, सामान्य वर्ग के लोग हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि निजी अस्पतालों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, बड़ी कंपनियों के मालिकों को देखो, बड़े न्यायाधीशों की सूची निकालो और मुझे बताओ कि पिछड़े वर्ग से कौन हैं, दलित कौन हैं, आदिवासी, अल्पसंख्यक कौन हैं, गरीब सामान्य वर्ग से कितने हैं, वे चुने हुए लोग हैं, वे उनके मित्र हैं। राहुल ने कहा कि देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है।

बजट 2025 का नीतीश कुमार ने किया स्वागत, बोले- इससे बिहार के विकास में तेजी आएगी

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार शाम लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भाषण की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2025 का केंद्रीय बजट सकारात्मक और स्वागत योग्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे राज्य के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। वित्तीय वर्ष 2025/26 के लिए सीतारमण के बजट में बिहार के लिए कई विशेष योजनाओं और कल्याणकारी उपायों का उल्लेख किया गया है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव में मतदान होगा।नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देते हुए एक्स पर लिखा कि केन्द्रीय बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। केन्द्र सरकार का यह बजट प्रगतिशील एवं भविष्योन्मुखी है। इस बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा देश के विकास की गति को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट में बिहार के लिए जो घोषणाएं की गई हैं, उनसे बिहार के विकास को और गति मिलेगी। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में एक मखाना बोर्ड की स्थापना से मखाना किसानों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि राज्य की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए बिहार में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की सुविधा प्रदान करने से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या बढ़ेगी, जिससे यहां के लोगों को काफी फायदा होगा।

'उन्हें और उनके माता-पिता को बिहार के विकास में कोई रुचि नहीं', तेजस्वी यादव के बयान पर भड़के ललन सिंह

एजेंसी

पटना: राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को केंद्र की एनडीए सरकार पर केंद्रीय बजट में बयानबाजी करने और अतीत में की गई घोषणाओं को रीपैकेजिंग के साथ पेश करने का आरोप लगाया। अब इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने पलटवार किया है। ललन सिंह ने कहा कि मखाना सबसे पुरानी उपज में से एक है, जिसकी मार्केटिंग पूरी दुनिया में हो रही है और इसके विकास, मूल्य संवर्धन और निर्यात को बढ़ाने के लिए मखाना बोर्ड का गठन, क्या यह पुरानी पैकेजिंग है ?जदयू नेता ने कहा कि क्या ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और आईआईटी विस्तार, खाद्य प्रसंस्करण संस्थानों के गठन की घोषणा पुरानी पैकेजिंग है ? वह नहीं समझेंगे, उन्हें और उनके माता-पिता को बिहार के विकास में कोई रुचि नहीं है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने वैशाली जिले में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राज्य के लिए अच्छा लाभ हासिल करने में कथित रूप से नाकाम रहने के लिए आलोचना की। कुमार की पार्टी जनता दल (यू) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अहम सहयोगी है। तेजस्वी ने कहा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को ही देख लीजिए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये का लाभ सुनिश्चित किया है। आज पेश किए गए बजट में बिहार के लिए ऐसी किसी मदद के बारे में कुछ नहीं कहा गया है।

बजट में सिर्फ जुमलेबाजी, पुरानी घोषणाओं को नया बताकर किया जा रहा पेश:तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार केंद्रीय बजट में सिर्फ ह्लजुमलेबाजीह्व कर रही है तथा पहले की गई घोषणाओं को नया बताकर फिर से पेश कर रही है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने वैशाली जिले में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राज्य के लिए अच्छा लाभ हासिल करने में कथित रूप से नाकाम रहने के लिए आलोचना की। कुमार की पार्टी जनता दल (यू) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अहम सहयोगी है। तेजस्वी ने कहा, ह्लतेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को ही देख लीजिए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये का लाभ सुनिश्चित किया है। आज पेश किए गए बजट में बिहार के लिए ऐसी किसी मदद के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। हमें यह भी नहीं पता कि पिछले साल वादा किए गए 59,000 करोड़ रुपये कहां खर्च किए गए हैं।ह्वह्व विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ह्लहम मुख्यमंत्री से बेहतर सौदे की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि अब वह अपने होश में नहीं दिखते और यह समझने की क्षमता भी खो चुके हैं कि ताली कहां नहीं बजानी चाहिए।ह्व

जाकिया जाफरी का 86 साल की उम्र में निधन, पति एहसान जाफरी की गुजरात दंगो में हुई थी मौत

एजेंसी

गुजरात: 2002 के गुजरात दंगों में मारे गए पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जकिया जाफरी का 86 साल की उम्र में शनिवार को अहमदाबाद में निधन हो गया। एहसान जाफरी उन 69 लोगों में शामिल थे, जो गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बे जलाए जाने के एक दिन बाद 28 फरवरी, 2002 को अहमदाबाद के एक मुस्लिम इलाके गुलबर्ग सोसाइटी के अंदर मारे गए थे, जिसके परिणामस्वरूप वहां से लौट रहे 59 'कारसेवकों' की मौत हो गई थी। अयोध्या. इस घटना से पूरे राज्य में भयानक दंगे भड़क उठे। जकिया जाफरी उस वक्त राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गईं, जब उन्होंने गोधरा ट्रेन जलाने की घटना के बाद हुए दंगों की बड़ी साजिश के लिए शीर्ष राजनीतिक नेताओं को जिम्मेदार ठहराने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी।उनके बेटे तनवरी जाफरी ने कहा कि मेरी मां अहमदाबाद में मेरी बहन के घर जा रही थीं। उसने अपनी दैनिक सुबह की दिनचर्या पूरी की और अपने परिवार के सदस्यों के साथ सामान्य रूप से बातचीत कर रही थी जब उसने बेचैनी महसूस करने की शिकायत की। जिस डॉक्टर को बुलाया गया। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड ने एक्स पर पोस्ट किया कि।

महाकुंभ में हिस्सा ले चुके हैं 35 करोड़ से अधिक श्रद्धालु, CM Yogi बोले- देश में आध्यात्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में विदेशी प्रतिनिधियों से मुलाकात की। शनिवार को 73 देशों से 118 राजनयिक प्रयागराज पहुंचे थे। योगी ने कहा कि मैं महाकुंभ मेला 2025 में आप सभी का स्वागत करता हूं, यह खुशी का क्षण है कि सदी का सबसे बड़ा आयोजन प्रयागराज में हुआ है। आपका आगमन हमें और अधिक प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज एक पुराना शहर है और कुम्भ का आयोजन भी इसका प्रतिफल है।

योगी ने कहा कि महाकुंभ मेला 2025 में अब तक 35 करोड़ श्रद्धालु हिस्सा ले चुके हैं। हमारा मानना ? ?है कि 26 फरवरी तक 45 करोड़ से ज्यादा लोग इसमें हिस्सा लेंगे। यह लोगों के लिए आश्चर्य की बात है। यहां गंगा को दिव्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि देश में आध्यात्मिक पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। आज एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि उपराष्ट्रपति ने यहां आकर इस सामूहिक कार्यक्रम में भाग लिया। मिशन प्रमुख भी उपस्थित थे। मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा सभी को अच्छी यादें देगी।वहीं, मेले की आभा से अभिभूत इन राजनयिकों ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और धरोहर की भव्यता को दशार्ता है। प्रयागराज के महाकुंभ में पहुंचकर इन लोगों ने खुद को सौभाग्यशाली बताया। इन अतिथियों ने योगी आदित्यनाथ की सरकार और विदेश मंत्रालय द्वारा राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था किए जाने पर खुशी भी जताई। शनिवार को 73 देशों से आए 118 राजनयिकों का अरैल में भव्य स्वागत किया गया। भारत में जापान के राजदूत केइची ओने ने कहा, ह्लमुझे बहुत खुशी है कि राज्य सरकार और विदेश मंत्रालय ने राजनयिकों के लिए इस यात्रा की व्यवस्था की। महाकुंभ मेला बहुत ही खास आयोजन है। मैं हिंदू संस्कृति को समझने के लिए यहां आने को लेकर बहुत उत्सुक था।ह्व भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउचिनो ने कहा, ह्लमैं इस महत्वपूर्ण आयोजन में हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। यहां की परंपराओं का पालन करके बहुत खुशी हो रही है।

एनडीए सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया यह बजट देश की आर्थिक विकास की गति में मील का पत्थर साबित होगा:चिराग पासवान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने एक्स पे पोस्ट कर लिखा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में एनडीए सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया यह बजट देश की आर्थिक विकास की गति में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में यह बजट अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

इस बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान और मध्यम वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। यह बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारी अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकसित हो रही है।

पिछले 10 वर्षों के विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। इस अवधि में भारत की क्षमता और संभावनाओं पर विश्वास और भी बढ़ा है।

इस बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी गई है।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

गया में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष, सभी ने कहा - एनडीए चट्टानी एकता के साथ तैयार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 'एक हैं तो सेफ हैं' अब 'महामंत्र' बन गया है : डॉ. दिलीप जायसवाल
- कार्यकताओं के जज्बे का परिणाम है कि बिहार विकास की उड़ान भर रहा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- मोदी और नीतीश के विकासवाद को देश ने सराहा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार में सुशासन सपना था, नीतीश ने कर के दिखलाया : उमेश सिंह कुशवाहा
- हमारी एकता बिहार और देश के विकास के लिए : राजू तिवारी
- एनडीए का लक्ष्य गरीब कल्याण : अनिल सिंह
- आने वाला विधानसभा चुनाव बिहार के लिए अहम : मदन चौधरी

पटना, 1 फरवरी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने 'ज्ञान स्थली' गया में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि हम एक हैं और विधानसभा चुनाव में हम जीतेंगे।गया के गांधी मैदान में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।इस सम्मेलन में सभी घटक दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकताओं ने एकजुटता दिखाते हुए इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया।इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए।सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है, जो परिवारवाद और वंशवाद से दूर है।उन्होंने कहा कि आज हम विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई हैं।उन्होंने कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि कार्यकताओं के जज्बे का परिणाम है कि बिहार और देश में लगातार एनडीए की सरकार बन रही है और बिहार और देश विकास की उड़ान भर रहा है।उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया गया मंत्र 'एक हैं तो सेफ हैं' अब बिहार ही नहीं, देश के लिए 'महामंत्र' बन गया है। उन्होंने कांग्रेस सहित राजद पर समाज में भेदभाव पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस खुद को डूबती है और दूसरों को भी डूबो देती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकासवाद की नीति को देश में सराहा जा रहा है। आज बिहार विरासत के साथ विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल होने वाले चुनाव में भी एनडीए जीतेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को नया आयाम दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में 2005 के पहले सुशासन एक सपना था, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह कर के दिखाया है। न्याय के साथ विकास की गाड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है।

एनडीए नेताओं ने बजट की सराहना, विपक्ष ने बजट को बताया निराशजनक

बजट से देश की अर्थ व्यवस्था होगी सुदृढ़ : रेखा कुमारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । शिवहर क्षेत्र की विधान पार्षद रेखा कुमारी ने आम बजट को लेकर केंद्र सरकार को बधाई दी है। श्रीमती रेखा ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि बजट से देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और तेजी से रफ्तार पकड़ेगी। उन्होंने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई है। 12 लाख तक वार्षिक आय तक को इन्कम टैक्स के दायरे से बाहर रखा गया है। जिससे नौकरीपेशा, छोटे व्यवसाय व स्वरोजगार वर्ग के करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि बजट भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाएगा। बजट में मखाना बोर्ड के गठन की बात की गई है। बोर्ड के गठन से मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य और विपणन को बेहतर बनाया जा सकेगा। वहीं किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से पांच लाख की गई है। जिससे किसानों को बहुत राहत मिलेगी।

बजट में किसान, मजदूर व गरीब के लिए कुछ नहीं : रितु जायसवाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

महिला राजद की प्रदेश अध्यक्ष सह परिहार विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रितु जायसवाल ने आम बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव को देखते हुए बिहार को झुनझुना थमा दिया गया है। बिहार के विकास के लिए विशेष राज्य के दर्जा की मांग की जाती रही है।इस बार भी बिहारवासियों को निराशा हाथ लगी। उन्होंने कहा कि बजट में किसान, मजदूर और गरीब के लिए कुछ नही है। सभी मंहगाई की मार झेल रहे हैं। किसानों की एमएसपी पर बात नही हुई। गरीबों के लिए आवास और मनरेगा पर भी कोई चर्चा नही की गई।उन्होंने कहा कि बजट में नए प्रस्तावों की भरमार है, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा पिछले बजट में घोषित प्रस्तावों का क्या हुआ।

चुनावी बजट से जनता निराश : शम्स शाहनवाज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सह पूर्व सीतामढ़ी यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो. शम्स शाहनवाज ने केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश आम बजट को बिहार का चुनावी बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि बजट में आंकड़ों की बाजीगरी कर सब कुछ अच्छा बताया जा रहा है। जबकि देश और देशवासियों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी, टैक्स अनियमितता के मार से जनता बेहाल है। आम बजट से जनता को निराशा हाथ लगी है। चुनावी साल में सत्ता विरोधी लहर को भांपते हुए जो लोकलुभावन घोषणाएं की गई हैं, वो पूर्व में किए गए दो करोड़ युवाओं को रोजगार, गरीबों को पंद्रह लाख और 2024 तक सबको पक्का मकान देने जैसे चुनावी जुमले न बन कर रह जाएं।

बजट में बिहार को दी गई विशेष सौगात : अंकुश यादव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अंकुश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में गरीब, किसान व मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला है। बजट समाज के अंतिम पायदान में बैठे वयक्ति को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। केंद्र सरकार बधाई के पात्र है।

उन्होंने कहा कि 12 लाख की वार्षिक आय तक टैक्स की छुट, किसान क्रेडिट कार्ड 3 लाख से 5 लाख की गई। वहीं मखाना बोर्ड का स्थापना, बिहार में 3 नई ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, कोसी नहर योजना, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान, 10 हजार मेडिकल सीट एवं 65 सौ आईआईटी में नई सीट की व्यवस्था एवं मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा सहित बिहार को अनेकों सौगात दी गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री को कोटि-कोटि साधुवाद।वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद कुमार नील, अफाक खान व रकटु प्रसाद ने कहा कि बजट निराशजनक है। जन रोजगार हेतु ठोस उपाय नहीं है और नही जनकल्याण पर विशेष फोकस किया गया है। वहीं स्वास्थ्य, शिक्षा और रक्षा पर खास ध्यान नही दिया गया है।

` आज जो 2025-26 का बजट पेश किया। उसमें कुछ भी खास नहीं है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज जो 2025-26 का बजट पेश किया। उसमें कुछ भी खास नहीं है। यह बजट पूरी तरह से गरीब, मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवार के लिए एक मजाक है।इस बार बजट में जो कर मुक्त आयकर का स्लैब सात लाख से बढ़ाकर 12 लाख तक किया गया है वह सीधे तौर पर धनाढ्य और पूंजीपतियों को ध्यान में रख कर किया गया प्रतीत हो रहा है, क्योंकि किसी भी गरीब और मजदूर तबके और मध्यम वर्गीय परिवार की वार्षिक आय उस स्लैब तक पहुंचती हीं नहीं है। वहीं वित्त मंत्री ने बिहार राज्य के लिए जो घोषणाएं की हैं, जैसे किसानों को मुफ्त के बीज, मखाना बोर्ड, दाल की खेती पर विशेष पैकेज और नई नहर एवं मिथिलांचल सिंचाई योजना, ये सब लॉली पॉप योजनाएं हैं, जिनसे किसानों और आम आदमी के बजाए अफसरों, बिचौलियों और दलालों को फायदा पहुंचेगा। कुल मिलाकर 2025 का यह बजट निराशाजनक और गरीब एवं मध्यम वर्ग विरोधी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल मधुबनी के जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय ने कहा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल मधुबनी के जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय ने कहा कि लच्छेदार शब्दों की बाजीगरी और भ्रामक बातों से युक्त मोदी सरकार का आम बजट बेरोजगारी, महंगाई, आय और मजदूरी में भारी गिरावट की मार झेल रहे देश के मेहनतकश अवाम पर एक और मार है। उन्हें इस संकट और पीड़ा के दौर से निकालने के बजाये, यह बजट उनकी ही जेब काटने वाला साबित हुआ है। मोदी सरकार के इस बजट ने बिहार समेत देश के हर वर्ग को पुनः एक बार निराश किया है। बिहार जैसे राज्यों को दरकिनार कर के समावेशी विकास का सपना बस 'सपना' मात्र ही है। हर बार की तरह इस बार भी बिहार को निराशा ही हाथ लगी है। आम बजट पिछले 10 सालों का सबसे कमजोर बजट है। बजट से मध्यम वर्ग के लोगों को निराशा हुई है। सरकार एक तरफ कह रही है कि 12 लाख पर कोई टैक्स नहीं जबकि दूसरी ओर 8 से 12 लाख पर 10% का स्लैब लागू करना भ्रामक और जनता को धोखा देना है। यह बजट अवश्य ही कॉरपोरेट घरानों और अति-धनिकों के लिये "अमृत" है जिनके लिये कॉरपोरेट टैक्स को लगातार घटाकर निजीकरण की मुहिम को और अधिक तेज कर दिया है। बजट में व्यापक आबादी वाले हिस्से किसान-मजदूरों की मांगों और आंदोलन को दरकिनार कर दिया गया है।

सरस्वती पूजा के सभी पंडालों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी / कर्मी तैनात किए गए है एस. पी मधुबनी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी :-- सरस्वती पूजा, 2025 के अवसर मधुबनी पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई:-

01.सरस्वती पूजा के सभी पंडालों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी /कर्मी तैनात किए गए है एवं पूजा पंडालों की निगरानी उ.उ.ळ.श एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ।

02.सरस्वती पूजा प्रतिमा के सभी विसर्जन जूलूस का पुलिस के द्वारा विडियों ग्राफी कराई जायेगी।

03.शांति भंग करने की संभावना वाले 3726 व्यक्तियों पर इठरर की धारा 135 के तहत 5-5 लाख रूपया का बॉन्ड भरवाया गया है04.ऊख का उपयोग पंडाल / विसर्जन में पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा यदि ऊख पाया गया तो जप्त किया जाएगा तथा ऊख संचालको पर / गिरफ्तारी की कार्रवाई की जायेगी।

05.पूरे जिले में 323 DJ संचालकों से 5-5 लाख रूपया का बॉन्ड भरवाया गया है।06.CCA -3 के तहत 12 व्यक्तियों पर जिला बदर की कार्रवाई की गई है

07.सभी अनुमंडल स्तर पर कुल 5 दफ्ळ तैनात की गई है एवं सभी दफ्ळ को ANTI RIOT DRILL पुलिस केंद्र मधुबनी में करायी गई है ।सरस्वती पूजा के सभी पंडालों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी/ कर्मी तैनात किए गए है एवं पूजा पंडालों की निगरानी उ.उ.ळ.श एवं ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ।

शिक्षा , रोजगार एवं उद्योग की संभावना से दूर बजट : विद्या भूषण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मिथिलावादी नेता विद्या भूषण ने केंद्रीय बजट पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रतिक्रिया देते हुए , कहा कि - यह बजट सही मायने में गरीब , शोषित , पिछड़े पायदान के लोगों से कोसों दूर हैं। मुख्य रूप से देखी जाए तो यह आंशिक बजट शिक्षा , स्वास्थ्य को दरकिनार करने वाली बजट हैं। यात्रा की सुगमता को ध्यान नहीं दिया। रोजमर्रा की जिंदगी जी रहे गरीब मजदूर किसान के बहाली पर चुप्पी वाली बजट हैं। यह बजट लोकतांत्रिक देश का बजट हैं। यह एक आईना हैं , जो भाजपा का दोहरी मानसिकता का चरित्र उजागर कर रही हैं।

कुल मिलाकर दो खुशखबरी हैं , एक कोसी और दूसरी मखाना बोर्ड , जिसे धरातल पर आते - आते एम्स एयरपोर्ट की तरह कितना समय लगेगा । यह आकलन नहीं किया जा सकता हैं। मिथिला के लोगों को झूठे ख्वाब दिखाकर लॉलीपॉप देने का काम गया हैं इस बजट में।

डीएम ने इंटरमीडिएट परीक्षार्थियों को फूल , कलम भेंट कर बढ़ाया मनोबल

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ीः बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2025 की शुरूआत आज जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय पांडे के द्वारा परीक्षा केंद्र कमला बालिका उच्च विद्यालय डुमरा, सीतामढ़ी में फीता काटकर किया गया। साथ ही उन्होंने परीक्षार्थियों को मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें फूल, कलम एवं चॉकलेट भेंट की ।जिले में इंटरमीडिएट परीक्षा के कुल 61 केन्द्रों पर आयोजित किया जा रहा हैं। मौके पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि परीक्षा छात्रों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और आत्मविश्वास एवं मेहनत से सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परीक्षा आयोजन के निमित्त सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं मुकम्मल की गई हैं। परीक्षार्थियों से कहा कि शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन में आपकी भी भूमिका महत्वपूर्ण है। कहा कि कड़ी मेहनत और लगन तथा उच्च आत्मविश्वास के बदौलत आप जिंदगी में सफलता हासिल कर सकते हैं।मौके पर शिक्षा विभाग के अधिकारी, केंद्राधीक्षक, शिक्षकगण और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा और परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।परीक्षा केंद्र पर जिलाधिकारी द्वारा किए गए इस प्रेरणादायक पहल से छात्रों में उत्साह देखा गया। परीक्षार्थियों ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए इस प्रोत्साहन भरे प्रयास की सराहना की और पूरी निष्ठा से परीक्षा देने का संकल्प लिया।

विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) :- - विद्यार्थियों के अंदर वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए नगर परिषद स्थित एएलसी सेंट्रल स्कूल ताजपुर के प्रांगण में विज्ञान और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक कौशल का प्रदर्शन किया।कुछ प्रोजेक्ट ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। पैरेलल टेलिस्कोप, राडार सिस्टम, पावर जनरेटर , स्मार्ट स्टिक, साइबर सिक्योरिटी, महाकुंभ, प्रोग्रेस ऑफ बिहार जैसे प्रोजेक्ट और मॉडल में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिरुचि उभर कर सामने आई।विद्यालय क्षेत्र के अंदर कौशल और कला को सार्थक स्वरूप देने के लिए तत्पर है। विद्यालय इस तरह के आयोजन लगातार करने का प्रयास करती रहेगी, ताकि बच्चो के प्रतिभा को निखार एवं अवसर मिलता रहे।इस मौके पे निदेशक कुमार अभिनव , प्रधानाध्यापक पुष्कर उपाध्याय, चेयरमैन अमन कुमार , अफजल हुसैन, निखिल कुमार ,अजित कुमार,शिव कुमार , रोहित कुमार, शिव पूजन कुमार, दिव्या,निगम , चांदनी एवं मोनिका के अलावा सभी शिक्षक गण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केन्द्रीय सरकार की आम बजट को अगर बिहार के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो एक पंक्ति में मैं कहना चाहूंगा कि यह बजट बिहार के लिए ह्रऊपर से फिट-फाट , नीचे से मोकामा घाटह्न हैं।

केन्द्रीय बजट ने बिहार को अगर कोशी कैनाल और मखाना के नाम पर कुछ दिया भी है तो इससे बिहार के मिथिला व कोशी क्षेत्र को फायदा मिलेगा। मगध क्षेत्र, शाहाबाद और पश्चिमी बिहार को निराशा ही हाथ लगी हैं।कुल मिलाकर यह बजट बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं।

नवीन सिंह परमार
पत्रकार, सिवान

शांतिपूर्ण सरस्वती पूजा आयोजन के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : आगामी सरस्वती पूजा पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सरस्वती पूजा आयोजन के मद्देनजर आज समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में जिलाधिकारी सीतामढ़ी श्री रिची पांडे एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन के द्वारा प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग की गई।पूरी प्रतिबद्धता के साथ दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि आगामी सरस्वती पूजा के अवसर पर उत्कृष्ट भीड़-प्रबंधन, सुचारू यातायात तथा सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। पदाधिकारीगण सभी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) से सार्थक संवाद कायम रखें। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारियों का अनुश्रवण करें।आसूचना तंत्र को सुदृढ़ एवं सक्रिय रखें।सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को क्रियाशील रखें। अफवाहों का त्वरित खंडन करें।पूर्व की घटनाओं में शामिल लोगों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करें। गौरतलब है कि इस वर्ष सरस्वती पूजा का त्योहार दिनांक 03 फरवरी (सोमवार) को होना निर्धारित है।

मद्य-निषेध अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।निर्देश दिया गया है कि सरस्वती पूजा एवं महाशिवरात्रि के जुलूस-मार्ग का सत्यापन कर लें। नगर निकायों द्वारा साफ-सफाई एवं प्रकाश की उत्तम व्यवस्था रहनी चाहिए। विद्युत अभियंता निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें।डीजे पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा।लाउडस्पीकर के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक होगा।सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक पोस्ट पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सरस्वती पूजा में डीजे पर किसी भी परिस्थिति में पूर्ण प्रतिबंध रहेगा एवं पूर्णरूपेण वर्जित रहेगा। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इसे सुनिश्चित कराएंगे।संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। संदेहास्पद गतिविधियों पर लगातार नजर रखें। दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा थानाध्यक्ष भ्रमणशील रहें। शत-प्रतिशत पूजा समिति को अनुज्ञप्ति निर्गत किया जाए।किसी भी परिस्थिति में बिना अनुज्ञप्ति की प्रतिमा/पंडाल की स्थापना/प्रतिमा जुलूस नहीं निकले यह संबंधित थानाध्यक्ष की व्यक्तिगत जिम्मेवारी होगी। जुलूस अनुज्ञप्ति में निर्धारित शर्तों का पूरी दृढ़ता से अनुपालन कराएँ। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इस बात को ध्यान में रखेंगे कि विसर्जन यात्रा के पूर्व निर्धारित पारंपरिक मार्गों में परिवर्तन नहीं हो। मूर्ति विसर्जन के अवसर पर जुलूस के साथ गश्ती दलों को क्रियाशील रखें।प्रभावी कॉम्युनिकेशन प्लान क्रियाशील रखने का निदेश दिया गया।निदेश दिया है कि पूजा के दौरान आपत्तिजनक स्लोगन, कार्टून इत्यादि पर रोक है। इसे पदाधिकारीगण सुनिश्चित करें। असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक एवं दण्डात्मक कार्रवाई करेंगे तथा विधि-व्यवस्था का समुचित संधारण सुनिश्चित करेंगे।

नियंत्रण कक्षः—सरस्वती पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था निर्धारण बनाए रखने हेतु सम्हरणालय स्थित आपदा प्रबंधन कार्यालय में दूरभाष नंबर 06226–250316 पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। वहीं एसडीओ पुपरी तथा बेलसंड के कार्यालय प्रकोष्ठ में दूरभाष संख्या–06228– 295555 तथा 06226 –281600 पर नियंत्रण कक्ष कार्य करेगा।

जिलाधिकारी रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन ने जिले वासियों से अपील की है कि शांतिपूर्ण ,सौहार्दपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में सरस्वती पूजा का आयोजन किया जाए।उन्होंने कहा है की अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें।

शिक्षक के सेवानिवृत पर बिदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान दुरौंधा 1फरवरी शनिवार। दुरौंधा प्रखंड स्थित बाल बंगरा पंचायत के उत्क्रमित मध्य मकतब उर्दू विद्यालय बेलदारी टोला में पदस्थापित शिक्षक श्री हरिहर नाथ पणित के सेवानिवृत होने पर प्रधाना ध्यापक श्री कयामुद्दीन अंसारी के नेतृत्व मे विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में सेवानिवृत शिक्षक को अंग वस्त्र और शाल भेंट कर उनके साथी शिक्षकों ने सम्मानित किया।समारोह के अध्यक्षता प्रधानाध्यापक श्री कयामुद्दीन अंसारी ने की और संचालन शिक्षक श्री राज बिहारी चौहान ने की ।वही समारोह में उपस्थित , शिक्षक खुर्शीद आलम, बच्चा प्रसाद, अरविंद चौबे, मोतब्बर हुसैन, दुर्गेश कुमार, तौकीर आलम, राकेश प्रसाद वक्ताओं ने शिक्षक श्री हरिहर नाथ पणित के विद्यालय में योगदान की सराहना की और उनके सहनशील चरित्र पर बारी बारी से प्रकाश डाला।

उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम आयोजित, भूकंप से बचाव की दी गई जानकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी(बेगूसराय) ' प्रखंड के उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चकहमीद में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सुरक्षित शनिवार का आयोजन किया गया।इस दौरान छात्र-छात्राओं को भूकंप से बचाव और जागरूकता की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।कार्यक्रम में फोकल शिक्षक एम.एन. रहमानी (प्रधानाध्यापक) ने बताया कि भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है, जिससे बड़े पैमाने पर जानमाल की क्षति होती है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव और लापरवाही के कारण भी कई लोगों की जान चली जाती है। विशेष रूप से पुराने और जर्जर भवनों की चपेट में आने से नुकसान अधिक होता है। आपदा से बचाव के लिए समय रहते तैयारी करने पर जोखिम को कम किया जा सकता है।भूकंप से बचाव के उपायः भूकंपरोधी मकान के निर्माण पर जोर दिया गया। भूकंप के दौरान बिजली के खंभों, पेड़ों, ऊँचे भवनों और जर्जर मकानों से दूर रहने की सलाह दी गई। खुले मैदान में शरण लेने की जरूरत पर बल दिया गया। कक्षा कक्ष में मॉक ड्रिल कराकर बच्चों को भूकंप के समय सुरक्षा के उपायों का अभ्यास कराया गया। बिहार के कई जिले भूकंप के खतरनाक जोन में आते हैं, इसलिए सतर्कता और जागरूकता बेहद जरूरी है।कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं गणमान्य लोगःइस अवसर पर शिक्षक-अभिभावक मो. आलमगीर, मो. एहतसाम, प्रो. मो. सहाबुद्दीन, सचिव असरार, तथा विद्यालय के शिक्षक मो. मुश्ताक, मो. मोजफ्फर, मो. जहाँगीर, मो. सलमान, मो. ज़ियाऊल, मो. वसीम, प्रीतम अनमोल, शशांक, दीपांशु, सकलदेव, विकास कुमार मौजूद थे।शिक्षिका सपना कुमारी, शम्मा प्रवीण, सलमा आगा, आरती कुमारी, तरन्नुम प्रवीण सहित अन्य सहायक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए सतर्कता और पूर्व तैयारी जरूरी है। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम बच्चों में आपदा प्रबंधन की समझ विकसित करने में मददगार साबित होते हैं।

अंतर जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता मैच का आयोजन की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बीहट।जननायक चन्द्रशेखर सिंह की 109 वीं जयंती पर बीहट स्टूडेन्ट क्लब के बैनर तले अंतरजिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता बीहट मध्य विद्यालय के मैदान में आयोजित ।

जिसका विधिवत उद्घाटन तेघड़ा विधायक राम रतन सिंह, एमएलसी राजीव कुमार, एनटीपीसी के उऋ कुमार एवं एनटीपीसी के ऊऋ केएन मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के मौके पर एमएलसी राजीव कुमार ने कहा कि खेल ही एक ऐसी विधा है जो सामाजिक बुराइयों को दूर कर सकता है। आज देश के अंदर जात-पात से ऊपर उठकर हमें एकजुट होकर मैदान में खेलने की आवश्यकता है। वही विधायक राम रतन सिंह ने कहा कि बिहट की धरती सदैव खेल और संस्कृति को लेकर जागृत रहा है यहां की प्रतिभाओं को और सहयोग देने की आवश्यकता है।एनटीपीसी के उऋ कुमार ने कहा कि आज भी बिहट ने अपनी अस्मिता को बचाकर रखा है यहां की युवकों में असीम ऊर्जा है इसे संरक्षण की जरूरत है। स्टूडेंट क्लब के महासचिव नवल किशोर सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। वही धन्यवाद ज्ञापन संरक्षक प्रहलाद सिंह ने कि।प्रथम मैच गौर और बरौनी के बीच खेला गया जिसमें बरौनी की टीम ने पहला मैच जीता। महासचिव नवल किशोर सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय वॉलीबॉल मैच का समापन का 2 फरवरी को होनी है। मौके पर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष चुनचुन राय, एमएलसी प्रतिनिधि विनोद कुमार मिश्रा उर्फ गोर बाबा, तेघड़ा भाकपा अंचल कार्यालय सह रामेश्वर सिंह स्मारक भवन के कार्यालय सचिव रविंद्र कुमार, निपनिया मधुरापुर के मुखिया चंद्रभूषण सिंह के अलावे हजारों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे

मानवाधिकार संगठन के प्रतिबद्ध सिपाही कॉ अमरनाथ सिंह का हृदय गति रुकने से निधन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय/ तेघड़ा31 जनवरी 2025 भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के जांबाज, बहादुर,समर्पित, जुझारू,कर्मठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता,बेगूसराय में मानवाधिकार संगठन के प्रतिबद्ध नेता एवं तेघड़ा अनुमंडल अधिवक्ता लिपिक संघ के अध्यक्ष मधुरापूर बिचला टोल निवासी अमरनाथ सिंह की अचानक 30 जनवरी की मध्य रात्रि में हृदय गति रुक जाने के कारण आकस्मिक निधन हो गया।परिजनों ने आनन -फानन में तेघड़ा अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया ।वहाँ डाक्टरों ने उनकी जान बचाने की हर सम्भव कोशिश की,परन्तु वे इस जीन्दगी और मौत की लड़ाई में वे जंग हार गए। और दुनिया को अलविदा कह गए।उनकेनिधन की खबर सुनते ही शोक की लहर चारों ओर दौड़ गई। तेघड़ा अनुमंडल कार्यालय,तेघड़ा अंचल पार्टी कार्यालय एवं मधुरापुर गाँव मे मातम छा गई। परिवार के लोगों की दहाड़ से उपस्थित सभी लोग शिशक रहे थे।मौके पर तेघड़ा विधानसभा के विधायक राम रतन सिंह ,ऑल इंडिया किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक प्रसाद सिंह ,पार्टी के राज्य परिषद सदस्य जुलूम सिंह , जिला संगठन मंत्री राजेन्द्र चौधरी ,अंचल मंत्री परमानन्द सिंह ,किसान नेता दिनेश सिंह , पार्टी के जिला परिषद सदस्य सनातन प्रसाद सिंह ,शाखामंत्री मनी भूषण सिंह , मुखिया चन्द्र भूषण सिंह ,पूर्व मुखिया अशोक सिंह ,एटक नेता रविन्द्र कुमार सिंह ,प्रदीप कुमार चिंटू, बरकू सिंह, भूषण सिंह, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि अब्दुल समद ,कॉ.राज किशोर सिंह अधिवक्ता गुड्डू ,अरुण कुमार यादव ,प्रमोद सिंह ,चन्द्र चूड़ सिंह,सुधीर सिंह,मोहम्मद जमील अख्तर, अ.कर.ऋ जिला सचिव मोहम्मद हसमत बालाजी, जमील,तेघड़ा अंचल अध्यक्ष - मोहम्मद सिराज,शाखा मंत्री दिनेश सिंह,रवींद्र सिंह समेत सैकड़ो नेता एवं कार्यकताओं ने दिवंगत नेता कॉमरेड अमरनाथ सिंह को भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी कार्यालय रामेश्वर भवन में पार्टी का झंडा प्रदान कर सम्मानित कर उन्हें अंतिम विदाई तथा उनके सम्मान में पार्टी का झंडा झुकाया गया।

पटना के बापू सभागार में 12 फरवरी को धूमधाम से मनाई जाएगी संत रविदास जी जन्म जयंती समारोह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भीमराव अंबेडकर के सपने को पूरा करने में लगे हैं पीएम मोदी और सीएम नीतीश: जनक राम
- लोकतंत्र की आड़ में विपक्ष ने परिवारवाद की राजनीति कायम किया: जनक राम

पटना, 1 फरवरी। पटना के बापू सभागार में 12 फरवरी को संत रविदास जी की जन्म जयंती धूमधाम से समारोहपूर्वक मनाई जाएगी। इस समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री, सरकार के मंत्री सहित एनडीए के सांसद और विधायक भी शामिल होंगे और एनडीए अपनी चट्टानी एकजुटता दिखाएगी।पटना में आज इसकी घोषणा करते हुए बिहार के एससी, एसटी कल्याण मंत्री जनक राम ने कहा कि इस समारोह में बिहार के विकास मित्र सहित विभिन्न जिलों से आए लोग शामिल होंगे और उपस्थित लोगों से संवाद करेंगे।मंत्री जनक राम ने आज एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के महापुरुषों ने कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान का सपना देखा था। देश को आजादी तो मिल गई लेकिन उनके सपने पूरे नहीं हुए। राजतंत्र देश से समाप्त हो गया लेकिन परिवारवाद की राजनीति करने वाले लोकतंत्र की आड़ में फिर से राजतंत्र स्थापित करने की कोशिश करने लगे और भीम राव अंबेडकर जैसे महापुरुषों के सपने टूटते रहे।उन्होंने कहा कि गरीब के बेटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज उन महापुरुषों के सपने को सच करने में जुटे हैं। कमजोर वर्गों को उसका अधिकार मिल रहा है।

जन सुराज बेदारी कारवां की हुई बैठक जिला संवाददाता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

01/02/2025बेगूसराय/ तेघड़ा तेघरा प्रखंड अंतर्गत बरौनी नगर परिषद वार्ड नंबर 7 में जनसुराज बेदारी कारवां का इजलास की हुई बैठक बैठक की अध्यक्षता मो हैदर साहब ने की संचालन मो अनवर हैरान ने की संचालन करते हुए मो अनवर हैरान ने अपने संबोधन में कहा वर्तमान समय में जनसुराज ही मात्र एक विकल्प है जिस ने बिहार के मुसलमानों को उसका सियासी हक दिलाने के लिए मुस्लिम जागरूकता अभियान चलाया है जिसका नाम है बेदारी कारवां अब समय आ गया है जब हम अपने वोट की कीमत को पहचाने ! सभा के मुख्य अतिथि अंसारी महापंचायत के प्रदेश प्रभारी मोहम्मद साहिल अंसारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा मुसलमानों को अपनी बेहतरी और अपने बच्चों की अच्छी मुस्तकबिल के जन सुराज के सूत्रधार श्रीमन प्रशांत किशोर जी का साथ देना चाहिए आने वाले विधानसभा चुनाव में जन सुराज के प्रत्याशी के ज्यादा से ज्यादा वोट दे कर विधानसभा भेजने का काम करेंगे और अपने नेता प्रशांत किशोर एवं वसीम नैयर अंसारी के हाथों को मजबूत करेंगे हम मुसलमान को अब डरने की जरूरत नहीं है अब वह दौर खत्म करना है जिसमें एक पार्टी के द्वारा मुसलमान को डराया जाता था और दूसरी पार्टी के द्वारा डर का फायदा उठाया जाता था मुसलमान जाए तो जाए किधर उनके पास विकल्प ने नाम पर कोई रास्ता नहीं था हम मुसलमान गुलामी की मानसिकता में कैद थे इसी लिए अब तक हम लोगों ने सिर्फ झंडा ढोने का काम किए लेकिन अब ये नहीं चलेगा इसी मानसिकता की गुलामी से मुक्ति दिलाने की लिए जन सुराज बेदारी कारवां का आगाज 18 जनवरी से शुरू किया गया जो कि पूरे बिहार के 38सो जिले में की जाएगी और मुसलमानों को जागरूक करने का काम करेगी !

जन सुराज मात्र एक पार्टी है जो हम मुसलमान को आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी देने का काम करेगी और 40 मुस्लिम प्रत्याशी को 2025 के विधानसभा चुनाव देकर चुना लड़ने का काम करेगी वही तेघड़ा विधान सभा के भावी उम्मीदवार रिजवान उस्मानी ने कहा मुसलमानो को आर्थिक शैक्षणिक और प्रशानिक तौर पर मजबूत होने जरूरत है जिसे हम जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर जी के हाथों को मजबूत करके गरीबों गुरबों की आवाज बनने का काम करेंगे

बैठक में सैकड़ो मुस्लिम भाई बहनों ने भाग लिया

मौके पर मो अनबारुल हसन अंसारी , मो अब्बास, मो मुबारक अली, मो रब्बा इत्यादि मौजूद थे

चिराग पासवान ने संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के तौर पर यह मेरे लिए गर्व की बात है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के तौर पर यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मेरे मंत्रालय की एक लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकृति मिली है। देश में अब तक केवल दो ही NIFTEM थे, और एक और NIFTEM स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। कुछ दिनों पूर्व, मैंने वित्त मंत्री जी से मुलाकात कर इस संबंध में आग्रह किया था। आज मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि वित्त मंत्री जी ने बजट के दौरान इस मांग को मंजूरी दे दी है। देश का तीसरा NIFTEMमेरे गृह प्रदेश बिहार में खुलने जा रहा है। इसके लिए मैं विशेष रूप से देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं वित्तमंत्री जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।मखाना उत्पादन मेरे मंत्रालय की सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। देश में मखाना का सबसे अधिक उत्पादन बिहार में होता है। मखाना उत्पादन को वैश्विक स्तर पर विस्तारित करने के लिए एक अलग मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है, जो बिहारवासियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।ईस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

बखरी प्रखंड में जॉब कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सर्वेक्षण पूर्णत: नि:शुल्क

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय) बखरी प्रखंड कार्यालय में कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की बखरी प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय द्वारा महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है मनरेगा योजनान्तर्गत काम की मांग अथवा प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वेक्षण हेतु जॉब कार्ड का निर्माण पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा कार्यक्रम पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा इच्छुक परिवार निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं विहित प्रपत्र में आवेदन आवेदक का आधार कार्ड बैंक खाता विवरण दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ योग्य आवेदनों के आधार पर जॉब कार्ड निर्माण की न्यूनतम अवधि 15 दिन निर्धारित की गई है ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे निर्धारित दस्तावेजों के साथ ग्राम पंचायत या कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय में आवेदन करें।

हरलाखी थाना क्षेत्र में गृहस्वामी को बंधक बना लाखों की चोरी अज्ञात चोरों ने गैस कटर से मेन गेट को काटा फिर किया प्रवेश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- हरलाखी थाना क्षेत्र में गृहस्वामी को बंधक बना लाखों की चोरी अज्ञात चोरों ने गैस कटर से मेन गेट को काटा फिर किया प्रवेश
- गृहस्वामी को बंधक बना लाखों की चोरी
  अज्ञात चोरों ने गैस कटर से मेन गेट को काटा फिर किया प्रवेश
- सीसीटीवी भी तोड़ डाला
- घटना का जल्द उद्भेदन करने का पुलिस ने दिया आश्वासन

मधुबनी जिला के हरलाखीथाना क्षेत्र के सोठगांव गांव में गृहस्वामी को घर के अंदर बंधक बनाकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम देकर भाग गया. इस संबंध में पीड़ित गृहस्वामी शंकर ठाकुर ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार बीते शुक्रवार की रात गृहस्वामी दोनों पति-पत्नी कमरे में सो रहा था. रात करीब एक बजे चोरों ने दरवाजे पर दस्तक दी और गैस कटर से मेन गेट को काटकर अंदर प्रवेश किया. फिर सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया. उसके बाद गृहस्वामी वाले कमरे को बाहर से बंद कर बंधक बना दिया. फिर बांकी के सभी घरों में रखे गोदरेज व बक्सा को खोलकर उसमें रखे नकद रुपये व सोने चांदी का जेबरात सहित कीमती कपड़े सबकुछ लेकर भाग गया. गृहस्वामी ने बताया कि तकरीबन पांच लाख की चोरी हुई है. इधर घटना की सूचना मिलते ही थाने की पुलिस मौके पर पहुचीं. थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी ने कहा कि पुलिस बगल के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला है, साथ ही मामले की वैज्ञानिक अनुसंधान भी शुरू कर दिया गया है. घटना को जल्द उद्भेदन कर लिया जाएगा.

बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केन्द्रीय सरकार की आम बजट को अगर बिहार के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो एक पंक्ति में मैं कहना चाहूंगा कि यह बजट बिहार के लिए ह्लऊपर से फिट-फाट , नीचे से मोकामा घाटह्व हैं।केन्द्रीय बजट ने बिहार को अगर कोशी कैनाल और मखाना के नाम पर कुछ दिया भी है तो इससे बिहार के मिथिला व कोशी क्षेत्र को फायदा मिलेगा। मगध क्षेत्र, शाहाबाद और पश्चिमी बिहार को निराशा ही हाथ लगी हैं।कुल मिलाकर यह बजट बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं।

गंडक नदी से अज्ञात शव बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क के अकबरपुर दुमदुमा पुल सामने बुढ़ी गंडक नदी किनारे एक लगभग 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव नदी किनारे पानी में तैरते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार की दोपहर में देखा।स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना कल्याणपुर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार झा ने शव को बरामद करते हुए युडी केश दर्ज करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया गया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि युवक की डूबने से मौत हुई होगी।

देश भक्ति एवं संस्कारों के धनी हैं मधुबनी रीजनल सेकेन्ड्री स्कूल के बच्चे: डीएम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी रीजनल सेकेंडरी स्कूल मधुबनी का वार्षिक उत्सव शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उदघाटन डीएम अरविंद कुमार वर्मा, स्कूल के निदेशक डा. आर एस पांडेय, प्राचार्य डा. मनोज झा सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। निदेशक डा. आर एस पांडेय ने सॉल एवं मोमेंटों देकर डीएम को सम्मानित किया। बतौर मुख्य अतिथि डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि रीजनल सेकेन्ड्री स्कूल के बच्चे देश भक्ति एवं संस्कारों के धनी हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को वर्तमान एवं भविष्य के राष्ट्र के स्तंभ के रूप में रेखांकित किया। वही एक मूर्तिकार के रूप में शिक्षक शिक्षिकाओं को भी हृदय से धन्यवाद दिया। डीएम ने बच्चों को अपने परिवार से श्रेष्ठ जनों से जुड़े रहने को कहा। साथ ही आधुनिक संचार तकनीक का सार्थक उपयोग करने का सुझाव दिया।

स्वागत भाषण में स्कूल के निदेशक डॉ राम श्रृंगार पांडे ने उपस्थित गण्यमान के प्रति धन्यवाद एवं कृतज्ञता अर्पित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह जो विद्यालय है यह सब कुछ यहां के जनमानस का है। यह उनके परिश्रम, सहयोग और स्नेह का फल है। सब कुछ यहां के समाज के आशीर्वाद से ही फलीभूत हुआ है। प्राचार्य डॉ मनोज कुमार झा ने स्कूल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए कहा कि 1994 ई से ये विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार दे रहा है। यही कारण है कि आज सभी क्षेत्र में यहां के बच्चे देश के विभिन्न शहरों में कार्यरत हैं। मौके पर पोल स्टार स्कूल के निदेशक कैलाश भारद्वाज , प्राचार्या भारती झा, ट्रिनिटी स्कूल के निदेशक आर के झा, ग्लोबल संस्कार भारती के निदेशक विजय रंजन, विवेकानंद मिशन विद्यापीठ के निदेशक श्रवण पूर्वे, सेवानिवृत पूर्व प्राचार्य शत्रुघ्न ठाकुर, मनोज चौधरी, प्रख्यात साहित्यकार कवि डॉक्टर शुभ कुमार बरनवाल, डॉ दीपक त्रिपाठी, शैक्षणिक निदेशक इंजीनियर प्रत्यूष परिमल, डॉ पीयूष परिमल, मधु कुमारी, ज्योत्सना, डॉ डिंपल कुमारी, प्रशासक राजीव कुमार, सरोज कुमार, सहायक प्राध्यापक धर्मेंद्र कुमार ,डॉ राजकुमार भारती, उप प्राचार्य पवन कुमार तिवारी, सखी बहिनपा से श्रीमती छाया मिश्रा और श्रीमती दीपा ठाकुर के साथ अपने नौनिहालों के साथ आए उनके माता-पिता व अभिभावक थे।

बच्चों के द्वारा विद्यालय के विशाल प्रांगण में विभिन्न प्रकार के कलाकृतियों के व्यंजनों के एवं अन्य अन्य विषयों के सुंदर पंडाल में स्टॉल लगाया गया था। डीएम ने सभी स्टॉल पर घूम कर उनकी जानकारी लिया। बच्चों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति व काव्य पाठ , भाषण माला, पौरुष पराक्रम, देश भक्ति , भक्तिपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में हनुमान झा, रविंद्र कुमार, संतोष कुमार, शैलेंद्र पांडे, अनिल कुमार, आशा कुमारी ,अनामिका कुमारी, अनुपम कुमारी ,अर्चना कुमारी, आदि थे।

पुलिस के डंडा से लगा इंटर के परीक्षार्थी को आंखों में चोट, परीक्षा देने से हुई वंचित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। आरबी कालेज दलसिंहसराय में 2 - 3 मिनट देर होने पर परीक्षार्थी छात्राओं को रोका गया और प्रवेश देने की मांग पर आरजू - मिन्नत कर रही छात्राओं पर पुरुष पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। दुसरी घटना बंगरा थाना का है जहां वाहन चेकिंग के दौरान वाहन एवं वाहन पर बैठी परीक्षार्थी छात्रा का पुलिस पिटाई से आंख में लगी चोट के चलते वे परीक्षा देने से वंचित हो गई। तीसरी घटना समस्तीपुर मुख्यालय का है जहां उच्च न्यायालय के अधिवक्ता को ट्रेफिक पुलिस द्वारा गाली - गलौज के बाद सड़क जाम कर दिया गया। भाकपा माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि सरकार का पुलिस पर इकबाल खत्म हो गया है। पुलिस से पब्लिक के साथ मित्रवत व्यवहार सीखाया जाता है, लेकिन इससे पुलिस की दादागिरी एवं गुंडागर्दी कम नहीं हो रहा है। उन्होंने पहली घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि केंद्राधीक्षक एवं मजिस्ट्रेट स्वविवेक के आधार पर यदि 2 - 3 मिनट देर से आने के बावजूद छात्राओं को परीक्षा में प्रवेश का अनुमति दे दिया जाता तो कौनसा पहाड़ टूट जाता। दुसरी घटना बंगरा थाना के पास वाहन चेकिंग के दौरान परीक्षार्थी को लेकर परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे वाहन चालक देर होने के कारण वाहन नहीं रोका तो पुलिस लाठी चला दी। इसमें छात्रा की आंखों में गंभीर चोट लगा और वे परीक्षा देने से वंचित हो गई। छात्रा का भविष्य दांव पर लग गया। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर मुख्यालय में वाहन चेकिंग के दौरान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता को गाली - गलौज, देख लेने - दिखा देने जैसी गुंडों की भाषा का इस्तेमाल किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण रहा।

बजट 2025: प्रदेश महामंत्री श्री मिथिलेश तिवारी जी ने बजट की सराहना की

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिहार के विकास को नई गति देगा बजट 2025₹ झ श्री मिथिलेश तिवारी
- मखाना किसानों के लिए ऐतिहासिक फैसला, बनेगा राष्ट्रीय मखाना बोर्ड₹–श्री मिथिलेश तिवारी
- रेलवे, हाईवे और हवाई अड्डों के विस्तार से बिहार को मिलेगा विकास का बल₹ – श्री मिथिलेश तिवारी
- महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर सरकार का बड़ा फोकस₹ –श्री मिथिलेश तिवारी

पटनाः केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट 2025 को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री मिथिलेश तिवारी जी ने विकासोन्मुखी, जनकल्याणकारी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

बिहार के लिए ऐतिहासिक बजट

प्रदेश महामंत्री श्री मिथिलेश तिवारी जी ने विशेष रूप से बिहार के लिए घोषित योजनाओं और फंड आवंटन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस बजट में कृषि, उद्योग, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बड़े फैसले लिए गए हैं, जो बिहार की अर्थव्यवस्था को गति देंगे।

"मखाना बोर्ड" का गठन - बिहार के किसानों के लिए बड़ी सौगात

श्री तिवारी जी ने बजट में "राष्ट्रीय मखाना बोर्ड" की घोषणा को बिहार के लिए ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार, विशेष रूप से मिथिला क्षेत्र, देश में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और सरकार द्वारा मखाना किसानों को उचित मूल्य दिलाने, उत्पादन बढ़ाने और वैश्विक बाजार में पहचान दिलाने के लिए मखाना बोर्ड का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से मखाना किसानों की आय में वृद्धि होगी, उनकी समस्याओं का समाधान होगा, और बिहार के कृषि क्षेत्र को एक नई दिशा मिलेगी। यह न केवल बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि निर्यात को भी बढ़ावा देगा।

बजट के मुख्य बिंदुः

1. बिहार को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बड़ा फंड झ रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्गों और हवाई अड्डों के विस्तार के लिए ऐतिहासिक बजट।
2. किसानों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएँ झ मखाना उत्पादन, जैविक खेती और आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा।
3. युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप को बढ़ावा झ नई औद्योगिक नीतियों से बिहार में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
4. महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण योजनाएँ झ स्वयं सहायता समूहों (रलञ्ह्र) को आर्थिक सहयोग और नए व्यवसायों को समर्थन।
5. शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार झ बिहार के मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए विशेष फंड।

सबका साथ, सबका विकास का बजट

बिरसिंहपुर उच्च विद्यालय में 16 सप्ताह के प्रशिक्षण का समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र की बिरसिंहपुर उच्च विद्यालय सभागार में प्रभारी प्रधानाध्यापिका अनुराधा कुमारी की अध्यक्षता में 16 सप्ताह से संत पॉल बी एड टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज के 2023 - 25 सेशन का 2 वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विद्यालय में पठन पाठन के लिए 11 छात्रों को टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज से भेजा गया था। 16 सप्ताह का प्रशिक्षण लेने के बाद बुधवार को फेयरवेल का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बीएड कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर रोली द्विवेदी, सहायक अध्यापक मनोज कुमार, डॉक्टर अमित कुमार पांडे ने उपस्थित प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि को मिथिला परंपरा के अनुसार शिवम कुमार और माखन कुमार की तरफ से पाग, चादर, भागवत महापुराण, शिव महापुराण, वाल्मीकि रामायण, श्रीमद देवी भागवत के द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर छात्र शिवम कुमार, माखन कुमार, श्वेता कुमारी, चांदनी कुमारी आदि ने अपने-अपने विचार रखें। मौके पर अमित पांडे, मनोज कुमार, सविता कुमारी, विद्यालय की शिक्षक आदि मौजूद थे।

क्षमतालय फाउंडेशन के ओर से फेस्टिवल का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। उत्क्रमित मध्य विद्यालय विथान क्षमतालय फाउंडेशन के सहयोग लर्निंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान, पेंटिंग, मीडिया, साहित्य नाटक से संबंधित विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागी छात्रों में हर्ष कुमार, विकास कुमार, अभय कुमार, राम राम ललित कुमार, प्रज्ञा सुमन, आकृति कुमारी, संगम, रेखा, अंशु, अंजली, नंदनी, सोनाली आदि छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उदघाटन प्रधानाध्यापक राम नंदन शर्मा ने किया। मौके पर सहायक शिक्षक राम लगन कुमार, मो मुख्तार आजाद, रामा कुमारी समेत विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले बच्चों को विद्यालय परिवार की ओर से इनाम से नवाजा गया।

केवटी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख जिवछी देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

(दरभंगा) :- केवटी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख जिवछी देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।62 सदस्यों वाले सदन में कुल 45 सदस्य मौजूद थे।बैठक की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व का कार्यपालक पदाधिकारी सह बीडीओ रुखसार के आग्रह पर सभी महिला-पुरुष सदस्य व सभी अधिकारियों ने आज महात्मा गांधी के स्मृति दिवस पर उन्हें नमन किया और सदन में 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा भाव अर्पित किया। तत्पश्चात प्रमुख के सहमति से कार्यपालक पदाधिकारी ने बैठक की सभी 14 एजेंट पर बारी-बारी से चर्चा किया और संबंधित विभाग की पदाधिकारी को सदस्यों को जवाब देकर संतुष्ट किये। सदस्यों ने सदन की बैठक में नहीं आने वाले अधिकारियों के लिए निंदा प्रस्ताव पारित करने और पूर्व बैठक की कार्यवाही की प्रति सदस्यों को उपलब्ध कराने की मांग पर जमकर शोर-शराबा किये। बीडीओ द्वारा आश्वासन देने के बाद सदस्य शांत हुए। पैगम्बरपुर की मुखिया नौशाबा प्रवीण ने पंचायत के वार्ड 12 और 13 में आंगनबाड़ी केंद्र संचालन हेतु सेविका/सहायिका की बहाली किये जाने की माँग उठाई।तो सीडीपीओ प्रीति कुमारी ने वार्ड में सर्वे कराकर शीघ्र ही बहाली किए जाने की बात कही।केवटी पंचायत की मुखिया रूबी कुमारी,पंचायत समिति सदस्य जगदीर यादव ने प्रखंड में एक डिग्री कॉलेज की स्थापना और जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनने में होने वाली कठिनाई की चर्चा किया।मुखिया को सांख्यिकी पदाधिकारी पवन कुमार सिंह ने अपनी बातों से संतुष्ट किया। पंचायत समिति सदस्य शत्रुघ्न साह ने वृद्धा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 2000 किए जाने की मांग उठाई। अधिकांश सदस्यों ने पंचायत में जल-नल योजना और सोलर लाइट योजना को पूरी तरह फ्लॉप योजना कहा।दिघियार पंचायत समिति सदस्य शाहनवाज आलम ने पंचायत के सभी 10 वार्डों में से किसी में भी अब तक लाइट नहीं लगाए जाने का मामला उठाया तो बीपीआरओ जय प्रकाश मंडल ने कहा कि प्रक्रिया प्रारंभ है, आपके पंचायत में भी शीघ्र ही सोलर लाइट लग जायेगा।लालगंज पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सगीर ने केवटी सीएचसी के गरबर एक्सरे मशीन को ठीक कराने और बनसारा,कमलदह से बाढ़ समैला तक बिजली पोल लगाकर बिजली चालू कराये जाने की माँग किया।रजौड़ा पंचायत के मुखिया इफ्तखार अहमद उर्फ छोटन ने पंचायतों में कैम्प लगाकर राशन कार्ड,पेंशन व आधार कार्ड बनाये जाने की माँग किया। इन्होंने बीडीओ से सदन के सदस्यों को सरकार के सभी जनहित योजनाओं की जानकारी देने का आग्रह किया।केवटी पंचायत समिति सदस्य वसीम आरा ने पूर्व में 25 बिंदुओं पर पूछे गये प्रश्नों के जबाब अब तक नही दिये जाने की बात उठाई। बनसारा पंचायत के मुखिया संजय कुमार ने प्रखंड से पंचायतों में पदस्थापित कर्मियों को पंचायत में नही पहुँचने के कारण आरटीपीएस काउन्टर का काम बाधित होने,आमलोगों के परेशान होने का मामला उठाया।जगदीर यादव ने सीएचसी केवटी में महिला डॉक्टर के पदस्थापना की माँग किया।सदस्यों के लगान और जमाबंदी कायम करने में होने वाली कठिनाइयों की चर्चा किये जाने के मुद्दे पर सीओ भाष्कर कुमार मंडल ने कहा कि बिहार सरकार का पत्र प्राप्त हुआ है। भूमि से जुड़े सभी मामलों का समाधान अब शीघ्र हो जायेगा।सदस्यों ने प्रखंड क्षेत्र में नीलगाय,बन्दर,बनैया सुअरों के उपद्रव की चर्चा करते हुऐ इसकी रोकथाम की माँग उठाया। बैठक में प्रमुख जिवछी देवी,उपप्रमुख बबिता देवी,बीडीओ रुखसार,बीपीआरओ जय प्रकाश मंडल,सांसद प्रतिनिधि विनोदानंद झा,एमओआईसी डॉ. निर्मल कुमार लाल,थानाध्यक्ष राहुल कुमार,सीडीपीओ प्रीति कुमारी, धनंजय कुमार,कमलेश कुमार, रणजीत कुमार, दिलीप कुमार, रवि रौशन,भोला महतो,इमरान आलम सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

केंद्रीय बजट मध्यमवर्गीय और किसानों के लिए लाभकारी : डॉ तरुण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मोदी सरकार के केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए विधान परिषद सदस्य डॉ तरुण कुमार चौधरी ने कहा है कि यह अंतरिम बजट देश और राज्य के विकास और आम आदमी के हितों की सुध लेने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बजट में आयकर राहत, वरिष्ठ नागरिकों को लाभ, बिहार में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा, मखाना बोर्ड की स्थापना, कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन, आर्थिक विकास पर जोड़ एवं रोजगार के अवसर सहित शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गये हैं। मैं इस बजट की सराहना करता हूं और केंद्र सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने आज तक के एतिहासिक बजट पेश करते हुए राज्य के विकास और आम आदमी के हितों की सुध लेने के लिए एक ठोस योजना प्रस्तुत की है। मैं आशा करता हूं कि यह बजट बिहार राज्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

जनता दरबार में एक मामले का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना परिसर में प्रत्येक शनिवार की तरह आज भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। आज के जनता दरबार में नया और पुराना मामले को लेकर चार फरियादी पहुंचे हुए थे। जिसमें आज एक मामले का निष्पादन किया गया। शेष तीन फरियादियों को अगले जनता दरबार में बुलाया गया है। जिनका आज निष्पादन हुआ उनमें राजीव कुमार, शर्मेंद्र नाथ सिंह का नाम शामिल है। मौके पर थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार, राजस्व पदाधिकारी रत्नेश्वर दास, अमीन चंदेश्वर सिंह, अंचल कर्मी मंटून कुमार आदि मौजूद थे।

सीमांचल में माले का पदयात्रा, नेतृत्व कर रहे हैं ,का.दीपंकर भट्टाचार्य

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सीमांचल में माले की पदयात्रा, 1 फरवरी 2025 से 5फरवरी तक सीमांचल में चलने वाले पदयात्रा का नेतृत्व करने के लिए फारबिसगंज के लिए जाने के दौरान मधुबनी जिला के सकरी में रामशिला हॉस्पिटल में कॉमरेड कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य का हुआ भव्य स्वागत.

माले महासचिव के साथ भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेन्द्र झा, एमएलसी शशि यादव, ऐपवा राष्ट्रीय महासचिव मीना तिवारी, घोषी के विधायक रामबली सिंह यादव व इंसाफ मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष नेयाज अहमद व राज्य सह सचिव मकसूद आलम सहित सैकड़ो नेता कार्यकर्त्ता शामिल थे. *फारबिसगंज से पूर्णिया तक होगी पदयात्रा, #सीमांचल में उन्माद, उत्पात व नफरत के भाजपाई साजिश के बरक्स सीमांचल के पिछड़ापन, पलायन, सम्प्रादायिक सौहार्द, आपसी भाई चारा की ह्यबदलो बिहार अभियानह्ण के तहत, आजसे भाकपा-माले सीमांचल क्षेत्र में पदयात्रा का आयोजन किया गया हैं । इसका नेतृत्व भाकपा (माले)महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य कर रहे हैं। उनके साथ पोलित ब्यूरो सदस्य का. धीरेन्द्र झा, नेता विधायक दल महबूब आलम, उपनेता सत्यदेव राम, ऐपवा की महासचिव मीना तिवारी, विधायक दल नेता महबूब आलम, उप नेता सत्यदेव राम,विधान पार्षद शशि यादव, विधायक रामबली सिंह यादव, इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष नेयाज अहमद, राज्य सह सचिव मकसूद आलम पप्पू खां, मिथिलांचल के प्रमुख नेताओं सहित अररिया, पूर्णिया, कटिहार के स्थानीय पार्टी नेता भी शामिल होंगे। उसी पद यात्रा के लिए जाने के क्रम में कल देर शाम रामशिला हॉस्पिटल में कॉमरेड कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य का आगमन हुआ. इस दौरान महासचिव के साथ भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेन्द्र झा, एमएलसी शशि यादव, ऐपवा राष्ट्रीय महासचिव मीना तिवारी, घोषी के विधायक रामबली सिंह यादव व इंसाफ मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष नेयाज अहमद व राज्य सह सचिव मकसूद आलम सहित सैकड़ो नेता कार्यकर्त्ता शामिल थे.इस दौरान माले महासचिव सहित माले नेताओं का हॉस्पिटल के डारेक्टर कमरू जवां व डॉ फैजुल हसन के नेतृत्व में पाग चादर देकर भव्य स्वागत किया गया. इस दौरान पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए भाकपा (माले) महासचिव दीपांकार भट्टाचार्य ने कहा कि सीमांचल का इलाका देश के सबसे पिछड़े और समस्याग्रस्त क्षेत्रों में आता है, जहां की जनता भयावह गरीबी और बार-बार आने वाली बाढ़ से जूझ रही है। इस क्षेत्र के समग्र विकास की बजाय, भाजपा-जदयू सरकार ने इसे केवल सस्ते श्रम की आपूर्ति करने वाला पलायन क्षेत्र बना दिया है। भाजपा, सांप्रदायिक उन्माद फैलाकर और बांग्लादेशी घुसपैठ का हौवा खड़ा करके इस इलाके के बुनियादी मुद्दों को नजरअंदाज करने की साजिश कर रही है। इसके साथ ही, दलित-आदिवासियों पर हमले करने वाली ताकतों को संरक्षण भी देती है। उन्होंने आगे कहा कि सीमांचल को उसके ऐतिहासिक पिछड़ेपन से उबारने और बदलाव के संकल्प को लेकर भाकपा-माले की यह पदयात्रा फारबिसगंज से प्रारंभ होगी, जो महान साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु की धरती है। यात्रा फारबिसगंज स्थित रेणु के गांव सिमराहा में उनकी प्रतिमा और फारबिसगंज में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू होगी, और यह यात्रा गांव-गांव, चट्टी-बाजारों से होते हुए 5 फरवरी को नक्षत्र मालाकार की धरती पूर्णिया पहुंचेगी।

न्यायिक आयोग के सवालों के जवाब नहीं दे पाए अफसर

पूछाः महाकुंभ में कहां-कहां घटना हुई? भगदड़ के बाद संगम पर मलबा इकट्ठा

प्रयागराज। महाकुंभ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ की जांच करने शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे न्यायिक आयोग की टीम पहुंची। आयोग में रिटायर्ड जज हर्ष कुमार के अलावा पूर्व डीजी वीके गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डीके सिंह शामिल हैं। सर्किट हाउस में न्यायिक आयोग के तीनों सदस्यों ने बैठक की। इसमें कमिश्नर प्रयागराज जोन विजय विश्वास पंत, मेला अधिकारी विजय किरन आनंद, एडीजी प्रयागराज जोन भानु भास्कर, डीआईजी वैभव कृष्ण के साथ ही पुलिस के अन्य अफसर शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि मेला से जुड़े अधिकारी आयोग के सवालों का सही से जवाब तक नहीं दे पाए। सभी अधिकारी अपने कामों की वाहवाही करने में ही जुटे थे। इस पर आयोग ने कहा कि अगर सब ठीक था तो भगदड़ कैसे हुई?

आयोग ने ये 4 सवाल दागेः

1- जब आपको पता था कि इतनी ज्यादा संख्या में भीड़ आने वाली है तो सुरक्षा के इंतजाम क्या किए थे?

2- यह घटना संगम क्षेत्र के अलावा और कहां-कहां हुई?

3- मीडिया में जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनकी क्या हकीकत है? क्या झूंसी में भी कोई घटना हुई है?

4- सभी घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज दिखाइए। भीड़ कंट्रोल के लिए बनाई प्लानिंग का विवरण दीजिए।

महाकुंभ के 19वें दिन शुक्रवार को अब तक 1.40 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक यह आंकड़ा 31 करोड़ को पार कर गया है। आज किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने महामंडलेश्वर और श्रीमहंत बनाने के समारोह में नृत्य किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- हादसों की सच्चाई और आंकड़े छिपाना एक अपराध है। हजारों करोड़ रुपए प्रचार और दुर्घटना की खबरें दबाने के लिए बहाए जा रहे हैं। लेकिन, पीड़ितों पर कुछ करोड़ खर्च करने से सरकार पीछे क्यों हट रही? मौनी अमावस्या (29 जनवरी) को भगदड़ मच गई थी। हादसे में 35 से 40 मौतें हुईं। हालांकि, सरकार ने 30 मौतों की पुष्टि की है।मौनी अमावस्या में हुए हादसे को लेकर न्याय का योग की टीम आज दोपहर 2.30 बजे प्रयागराज पहुंची। सर्किट हाउस में न्यायिक आयोग के तीनों सदस्यों ने कमिश्नर प्रयागराज जोन विजय विश्वास पंत, मेला अधिकारी विजय किरन आनंद, एडीजी प्रयागराज जोन भानु भास्कर के साथ ही डीआईजी वैभव कृष्ण के साथ ही पुलिस के अन्य अधिकारियों से घटना को लेकर पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि न्यायिक आयोग की तरफ से सबसे पहला सवाल मेला प्राधिकरण के अधिकारियों से किया गया कि जब आपको पता था कि इतनी ज्यादा संख्या में भीड़ आने वाली है तो सुरक्षा के इंतजाम क्या किए गए थे? यह घटना संगम क्षेत्र के अलावा और कहां-कहां हुई? मीडिया में जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनकी क्या हकीकत है? क्या झूंसी में भी कोई घटना हुई है? साथ ही आयोग ने सभी घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज दिखाने को भी कहा। भीड़ नियंत्रण के लिए अधिकारियों की प्लानिंग का विवरण भी लिया। सूत्रों ने बताया कि मेला से जुड़े अधिकारी न्यायिक आयोग के सवालों पर सही से जवाब तक नहीं दे पाए। सभी अधिकारी अपने कामों की वाहवाही करने में ही जुटे थे। इस पर आयोग ने कहा कि अगर सब ठीक था तो भगदड़ कैसे हुई? महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ के बाद सारा का सारा मलबा संगम के पास ही इकट्ठा किया गया है। समान देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी बड़ी संख्या में लोगों का सामान मिला है। भास्कर रिपोर्टर लता मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। महाकुंभ में हुई भगदड़ की जांच करने रिटायर्ड जज हर्ष कुमार के नेतृत्व वाली 3 सदस्यों की टीम मेला क्षेत्र में पहुंच गई है। आयोग एक महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। आयोग के सदस्यों ने मेला क्षेत्र में पहुंचते बैठकें भी शुरू कर दी हैं। महाकुंभ में 29 जनवरी को हुई भगदड़ का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें लोग जान बचाने के लिए नाले में कूद गए थे। महाकुंभ से एक महिला सिपाही का वीडियो सामने आया है। वह बता रही हैं कि सर, जल्द से जल्द फोर्स भेजिए। यहां कंडीशन बहुत खराब है। मैं हर चीज वीडियो में नहीं बता सकती। यह वीडियो 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ का है। हैरी पॉटर फेम निकोलो ब्रुग्नारा इटली की एक न्यूज एजेंसी के कैमरामैन के रूप में महाकुंभ मेला कवर करने आए हैं। यहां महाकुंभ पर बन रही एक डॉक्यूमेंट्री का भी हिस्सा हैं। लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं। निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुंभ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान-पूजन, ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी अचरज से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि भारत सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है।

जौनपुर जिला कारागार में जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जौनपुर। डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने जिला कारागार का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार की बैरकों की गहन तलाशी ली। जिसमें कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। डीएम ने रसोईघर का निरीक्षण कर कैदियों के भोजन की गुणवत्ता की जांच की। जेल अस्पताल के दौरे के दौरान, जिलाधिकारी ने कैदियों के स्वास्थ्य और उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह को निर्देश दिए कि कैदियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। विशेष रूप से दांत, आंख और कान की जांच पर जोर दिया गया। जरूरतमंद कैदियों को चश्मा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। डीएम ने बुजुर्ग कैदियों सहित अन्य बंदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में

जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, जेलर अजय कुमार, डिप्टी जेलर धर्मेंद्र सिंह भदोरिया, डॉ. विनय कुमार राव और फार्मासिस्ट सतीश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अटल जी के विचार और आदर्श सदैव रहेंगे प्रेरणास्त्रोत : पूर्व विधायक गंगा सिंह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल स्मृति संकलन अभियान के अंतर्गत उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जनसंघ से जुड़े भाजपा कार्यकताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने उनके कार्यकाल की स्मृतियों को साझा किया और उनकी महानता को नमन किया। भाजपा कार्यकताओं ने क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा, पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा, बकुलहर निवासी रामकुंवर दूबे, रहसू निवासी चिरंजी सिंह एवं

नदवा विशुनपुरा निवासी लड्डन सिंह उर्फ साधू बाबा को उनके आवास पर जाकर उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उनसे अटल जी के कार्यकाल की महत्वपूर्ण स्मृतियों को साझा किया। पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने कहा कि अटल जी का जीवन राष सेवा और नीतिगत राजनीति क अद्भुत मिशाल है। उनके नेतृत्व भारत ने अभूतपूर्व विकास देख और उनकी दूरदृष्टि से देश ने न ऊंचाइयों को छुआ। इस अवसर प विधायक फाजिलनगर सुरेंद्र कुमा कुशवाहा के साथ फाजिलनगर भाजपा के मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, रामवृक्ष गिरी, सुनील उपाध्याय, धीरज वर्मा सहित कई कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचार, उनके आदर्श और राष्ट्र सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी। उनकी वाणी में ओज था, उनके विचारों में गहराई थी, और उनकी राजनीति राष्ट्रवाद से ओतप्रोत थी। उनका संपूर्ण जीवन देशवासियों को सच्ची सेवा और समर्पण का संदेश देता रहेगा।

प्रवासी मदद फाउंडेशन व उमंग खेतान ने 9 टीबी रोगियों को वितरित की पोषण पोटली

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद में टीबी रोगियों को गोद लेने के क्रम में जिला क्षयरोग केंद्र पर निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र के प्रयास से प्रवासी मदद फाउंडेशन द्वारा 6 व ऐसप्रा ज्वेलर्स के मालिक उमंग खेतान द्वारा 3 सहित कुल 9 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि टीबी रोगियों को पोषण देना पुनीत कार्य है। क्योंकि टीबी का मरीज शारिरीक रूप से कमजोर होता है। ऐसे में आप द्वारा दिये गये

प्रोटीनयुक्त आहार को दवा के साथ टीबी रोगी शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। डीटीओ ने गोद वाले व्यक्तियों को साधुवाद देते हुई समाज के समक्ष व्यक्तियों से आगे आकर गोद लेने की अपील भी किया गया। प्रवासी मदद फाउंडेशन के सदस्य सन्दीप मिश्र ने कहा की मैं ईश्वर को धन्यबाद ज्ञापित करता हूँ कि मुझे टीबी रोगियों को सेवा करने का अवसर प्रदान किया। उमंग खेतान ने कहा कि जनपद को टीबी मुक्त बनाने हेतु टीबी कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ काम कर रहे है। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। आगन्तुकों का स्वागत डीपीसी अनुपम मिश्र तथा आभार ज्ञापन पीपीएम नितेश राय ने किया। गोद लेने वालों में प्रवासी मदद फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश कुमार पिंटू बाबू, प्रदीप पांडे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विजय मद्धेशिया राष्ट्रीय महासचिव आशुतोष कुमार राष्ट्रीय सचिव, बृजेश कुमार डब्लू राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, वरुण शर्मा राष्ट्रीय सलाहकार प्रमुख रहे। इस दौरान एसटीएलएस विशाल कुमार, एसटीएस विवेक यादव, अरमान अहमद, अनिल सिंह, अविनाश गुप्ता, दीपक दुबे, राजा, बिरेन्द्र, विद्या उपस्थित रहे।

लखनऊ में नहीं चलेगा सनी लियोनी का बार-रेस्टोरेंट

लखनऊ। बॉलीवुड की मशह एक्ट्रेस सनी लियोनी अब लखन में बार और रेस्टोरेंट नहीं चल पाएंगी। राज्य उपभोक्ता विवा निवारण आयोग ने एक्सपीरिय डेवलपर्स पर एक्शन लेते हुए सन लियोनी के बार एंड रेस्टोरेंट 'चिक लोका बाय सनी लियोनी' पर बै लगा दिया है। आयोग ने कहा वि यह निर्माण न केवल स्थानीय लोग के लिए समस्या है, बल्कि लखन हाईकोर्ट और इंदिरा गांधी प्रतिष्ठा (आईजीपी) जैसी संस्थाओं क सुरक्षा के लिए भी खतरा है। शिकायतकर्ता प्रेमा सिन्हा ने आरो लगाया कि डेवलपर ने सामुदायि केंद्र, क्लब हाऊस को अवैध रू से 'चिका लोका' को आवंटित क दिया। जहां बार और रेस्टोरेंट जैस व्यवसायिक गतिविधियां की जात हैं। यह न सिर्फ योजना के नियम

का उल्लंघन है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी गंभीर समस्याएं खड़ी कर रहा है। आयोग ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को भी इस मामले में लापरवाही बरतने के लिए फटकार लगाई। न्यायमूर्ति अशोक कुमार और विकास सक्सेना की पीठ ने इस मामले की सुनवाई के लिए 19 फरवरी 2025 की डेट तय की है।

सीएम योगी ने अयोध्या का किया हवाई सर्वे

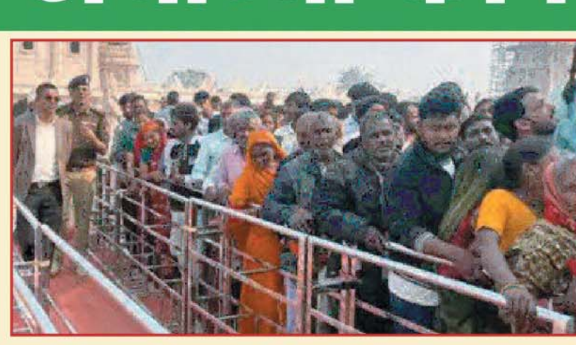

संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या का हवाई सर्वेक्षण कर श्रीरामजन्मभूमि हनुमानगढ़ी और सरयू स्नान घाट पर भक्तों की भीड़ को देखा। प्रयागराज से मौनी अमावस्या पर स्नान के बाद लौटे करीब 70 लाख भक्त अभी भी अयोध्या के चारो ओर जिलों में बताए जा रहे हैं। यह सभी अयोध्या आना चाह रहे हैं। रामनगरी में श्रद्धालुओं के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। हनुमानगढ़ी में मौजूद एडिशनल एसपी डॉ. राजेश तिवारी ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की। बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखते हुए श्रद्धालु बेहद उत्साहित दिखे। अयोध्या पुलिस को धन्यवाद दिया। अयोध्या पुलिस भारी भीड़ में श्रद्धालुओं की मदद कर रही है। अयोध्या पुलिस ने हनुमानगढ़ी पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस दौरान महाकुंभ से वापस लौटे श्रद्धालुओं ने प्रशासन की प्रशंसा की और कहा कि बहुत अच्छे इंतजाम किए गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या का हवाई सर्वेक्षण किया। सीएम ने राम जन्मभूमि, हनुमानगढ़ी और सरयू के घाट का हवाई सर्वेक्षण किया। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के पहले और बाद में बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार अयोध्या पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए ग्राउंड जीरो पर सीएम योगी के अधिकारी उतरे हुए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओं की भीड़ क आसमान से निगरानी औ आकलन किया गया। महाकु मेले से लौट रहे श्रद्धालुओं क भीड़ से अयोध्या पटी हुई है। शुक्रवार को भी रामनगरी में पां लाख से अधिक श्रद्धालु दर्श पूजन कर रहे हैं। इसी बीच सीए योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या क हवाई सर्वेक्षण कर मेला व्यवस्था की जानकारी ली है। अयोध्या में कमिश्नर गौरव दयाल और आईजी प्रवीण कुमार समेत अन्य आला अधिकारी जमे हुए हैं और क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। बसंत पंचमी के स्नान के बाद यानी पांच फरवरी तक अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ के उमड़ने की संभावना है।

संक्षिप्त डायरी

हनुमान जी की आराधना से होती है सुखों की प्राप्तिः आचार्य त्रियुगीनारायण मणि

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के सुमहीं बुजुर्ग में हो रहे श्री श्री 1008 हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का रसपान कराते हुए आचार्य पंडित त्रियुगीनारायण मणि जी महाराज ने कहा कि कलियुग में हनुमान जी की आराधना से सभी सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जो भक्त सच्चे मन से बजरंग बली की उपासना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आचार्य ने कहा, हनुमत सेई सर्व सुख करही। शंकर सुवन केशरी नंदन। अर्थात हनुमान जी समस्त सुखों को देने वाले हैं। वे शिव के अवतार, केसरी नंदन और पवनसुत हैं। एकादश रुद्र के रूप में उन्होंने रावण के अहंकार को चूर्ण कर भगवान श्रीराम के विजय पथ को प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि जो भी भक्त हनुमान जी की उपासना करता है, उसे संकटों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस दौरान मुख्य यजमान रामप्रताप सिंह बिजेंद्र सिंह ग्राम प्रधान मधुबन सिंह,भाजपा मंडल अध्यक्ष शेषनाथ मिश्र, बीरेंद्र सिंह,पौहारी गुप्ता, उदयप्रताप सिंह, कैलाश गुप्ता, रुदल कुशवाहा, राना कुशवाहा, परमात्मा शर्मा, श्रीराम गुप्ता,सदानंद गुप्ता समेत भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिभाव से कथा का श्रवण किया।

कोल्ड स्टोर में आलू रखने का किराया बढ़ने पर किसानों में आक्रोश, बनाई गई रणनीति

हाथरस। सहपऊ क्षेत्र के कोल्ड स्टोर का किराया बढ़ाने को लेकर किसानों में रोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि उनको आलूओं की फसल में चार साल लगातार घाटा होता है। चार साल घाटा सहने के बाद उसको एक साल में लाभ मिलता है। उनका यह लाभ इतना ही होता है कि वह चार साल के घाटे की भरपाई करता है। कोल्ड स्टोर मालिक हर साल अपने किराए में वृद्धि करते रहते हैं। किराया बढ़ाने को लेकर को लेकर किसानों ने एक बैठक की, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जो कोल्ड स्टोरेज मालिक पुराने रेट पर ही आलू का भंडारण करेगा, उस कोल्ड स्टोर में अपना आलू रखेंगे। गौरतलब है कि सादाबाद क्षेत्र आलू उत्पादन के लिए जाना जाता है। यहां कोल्ड स्टोर की संख्या काफी अधिक है। इस बार भी कई नए कोल्ड स्टोर का निर्माण भी हुआ है।इस बार कोल्ड स्टोर में 20 रु प्रति कुंतल का किराया बढ़ाया है। पिछले वर्ष 240 से लेकर 250 रुपए प्रति कुंतल कोल्ड स्टोरेज का भाड़ा था, अब बढ़कर 260 से 270 रु प्रति कुंतल हो जाएगा। शीतगृह मालिक हर साल अपना भाड़ा बढ़ा देते हैं। किसान को चार साल बाद एक साल ही आलू की फसल का लाभ मिलता है। अब इसके लिए अन्य बैठक कर शीत गृह के भाड़े के लिए भूमिका तैयार की जाएगी।-शशि कुमार, किसान

जब शीत गृहों में आलूओं के रखने का समय आता है, तभी यह लोग उसका किराया बढ़ा देते है। किसान इस प्रकार इनकी दबाब को कहां तक सहन करें । जो शीत गृह पिछले रेट पर आलू भंडारण करेगा, उसी में आलू भेजेगें। - अवधेश कुमार, किसान

मेरी जिंदगी तबाह कर दीः ब्लैकमेलिंग से तंग आ छत से कूदी छात्रा, गंभीर हालत में भर्ती, पुलिस ने की यह कार्रवाई

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र में दुष्कर्म पीड़ित छात्रा को ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक माह से पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहा था। इससे तंग आकर छात्रा मंगलवार की दोपहर मकान की दूसरी मंजिल कूद गई थी। उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।मझोला थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी आठवीं कक्षा में पढ़ती है। 28 दिसंबर की सुबह वह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी। आरोप है कि इसी दौरान मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर निवासी चेतन नाम का युवक रास्ते में मिल गया। आरोपी ने छात्रा से कहा कि उसकी बहन उसे बुला रही है। झांसे में आकर छात्रा आरोपी के घर चली गई। सुबह नौ से लेकर दोपहर दो बजे तक आरोपी ने छात्रा को घर में कैद कर रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान मोबाइल से अश्लील वीडियो भी बना लिया। वीडियो के जरिये आरोपी छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा। मंगलवार को आरोपी ने छात्रा पर दबाव बनाते हुए घर पर मिलने बुलाया। पीड़िता ने आने से इन्कार किया तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे आहत पीड़िता ने मकान की दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी चेतन को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर मकान की दूरी मंजिल से छलांग लगाने वाली छात्रा का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। उसके पैर में फ्रैक्चर है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर छात्रा के बयान दर्ज किए। पीड़िता ने बताया कि 28 दिसंबर की सुबह स्कूल जाते समय आरोपी रास्ते में मिल गया और उसे अपने घर ले गया था। इसके बाद से आरोपी उसे ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपी बार-बार वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। उसने मेरी जिंदगी तबाह कर दी। पीड़िता ने पुलिस से वीडियो डिलीट करवाने की भी मांग की।

लखनऊ में करंट लगने से पेंटर की मौत

लखनऊ । करंट लगने से पेंटर की मौत हो गई। आशियाना के एलडीए कॉलोनी सेक्टर- आई के निमार्णाधीन मकान में पुताई करते समय हादसा हुआ। घायल मजदूर को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना देकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोसाईगंज के सिमनपुर गांव निवासी शत्रुघन का बेटा अजीत (28) घरों में पेंटिग का काम करता था। परिजनों के मुताबिक अजीत रोज की तरह गुरुवार को भी काम पर गया था। रात को ठेकेदार ने उसको करंट लगने की सूचना दी। लोक बंधु अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि गंभीर रूप से झुलस जाने से अजीत की मौत हो गई।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूॅस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉं सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियॉं गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

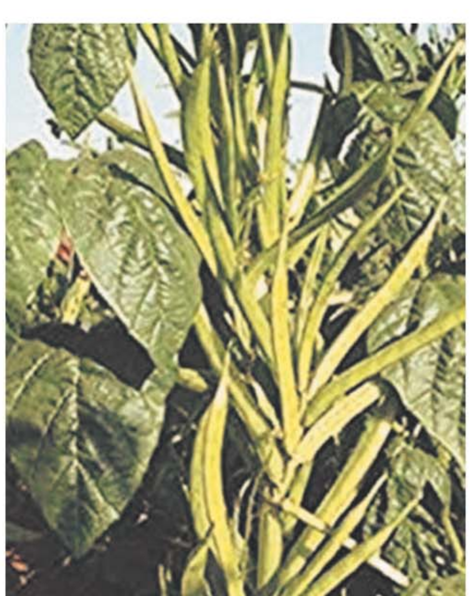

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

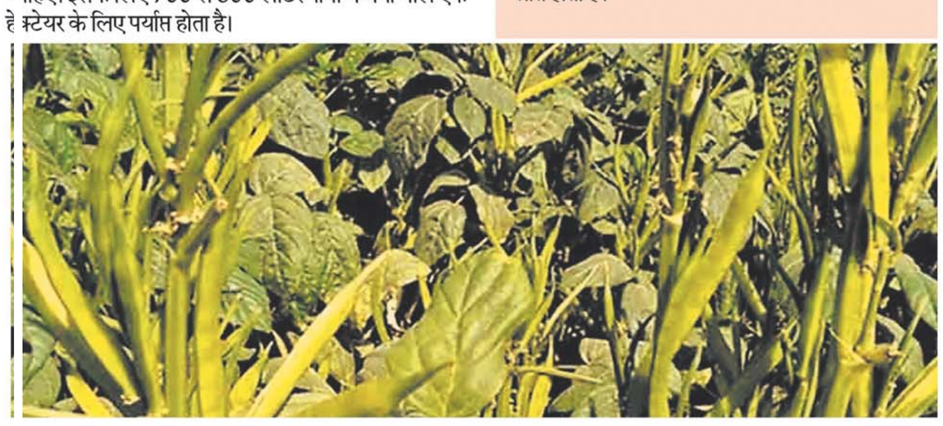

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉं हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

वॉलमार्ट की प्रमोटर वॉल्टन परिवार दुनिया का सबसे अमीर परिवार

- रईसी में अंबानी से भी आगे हैं वॉलमार्ट परिवार के तीन भाई-बहन

नई दिल्ली ।

राजस्व के हिसाब से दुनिया की प्रमुख कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर वॉल्टन परिवार को विश्व के सबसे रईस पे रिवार में से एक माना जाता है। इस परिवार के तीन लोग दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर हैं। साथ ही इस परिवार के दो और सदस्यों को भी अमीरों की सूची में जगह उपलब्ध है। इन पांचों की कंबाइंड नेटवर्थ 414.1 अरब डॉलर है जो दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क (421 अरब डॉलर) से कुछ ही कम है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47 फीसदी हिस्सेदारी है। वॉलमार्ट की स्थापना साल 1962 में सैम वॉल्टन ने की थी। आज यह दुनिया की सबसे बड़ी एम्प्लॉयर है। इसमें 21 लाख से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं जो कई देशों की आबादी से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन 120 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। उनके भाई रॉब वॉल्टन 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 12वें और बहन एलिस वॉल्टन 117 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 13वें नंबर पर हैं।

एलिस वॉल्टन दुनिया की सबसे अमीर महिला हैं। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ 41.3 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 37वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन की नेटवर्थ 18.8 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 116वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब दो फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं।

मोतीलाल ओसवाल पर 7 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक ब्रोकर और डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स नियमों के उल्लंघन के लिए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक कंपनी को 45 दिन के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है। सेबी ने शेयर ब्रोकर और डिपॉजिटरी भागीदार मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का अप्रैल, 2021 से जून, 2022 तक की अवधि के लिए शेयर बाजारों और डिपॉजिटरी के साथ संयुक्त रूप से जांच की। इसके बाद सेबी 4 जुलाई 2024 को ब्रोकिंग फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

सेबी के नोटिस में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज पर जो मुख्य आरोप लगाए गए, उनमें गलत रिपोर्टिंग और मार्जिन की कम वसूली, कैश और कैश इक्विवेलेंट बैलेंस का गलत डेटा (57 मामलों में), सिक्योरिटीज बिजनेस के अलावा अन्य कार्यों में शामिल होना और मार्जिन ट्रेडिंग फंडिंग पर गलत रिपोर्टिंग शामिल हैं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने नोटिस के जवाब में कहा कि कुछ उल्लंघन पूरी तरह से अनजाने में हुए और जानबूझकर की गई गलत रिपोर्टिंग नहीं थे। इसमें आगे कहा गया है कि कुछ टेक्निकल इश्यू भी थे, जिनके चलते उल्लंघन हुए और उन्हें पहले ही ठीक कर लिया गया है।

जोमैटो की 15 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस कई शहरों में शुरू

- सेवा ग्राहकों के स्थान से लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में स्थित रेस्टोरेंट्स से उपलब्ध

zomato

नई दिल्ली ।

फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो की 15 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस क्विक अब कई शहरों में लाइव हो गई है। जोमैटो ऐप के होम स्क्रीन पर उपलब्ध क्विक 10 मिनट डिलीवरी' से ग्राहक फास्ट फूड और पहले से पके हुए इंस्टेंट मील्स जैसे स्नैक्स, डेसर्ट, बेवरेज आदि 15 मिनट के भीतर मंगा सकते हैं। यह सेवा ग्राहकों के स्थान से लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में स्थित रेस्टोरेंट्स और क्लाउड किचन से उपलब्ध है। यह सर्विस फिलहाल दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, इंदौर, चेन्नई, पुणे, लखनऊ, अहमदाबाद आदि के चुनिंदा स्थानों पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के क्विक लॉन्च पर पूछे गए सवाल के जवाब में कंपनी ने कहा कि हमारी हाल ही में शुरू की गई क्विक डिलीवरी फीचर के लिए हम जोमेटो पर लिस्टेड रेस्टोरेंट को 15 मिनट के अंदर डिलीवरी की पेशकश करने में सक्षम बना रहे हैं। इसके लिए हम उनके मेनू आइटम को क्यूरेट कर रहे हैं और एक डेडिकेटेड डिलीवरी फ्लीट प्रदान कर रहे हैं। यह सुविधा फिलहाल चुनिंदा स्थानों पर लाइव है और समय के साथ इसे बढ़ाया जाएगा। कंपनी पहले से ही एवरीडे सर्विस संचालित करती है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था और यह लगभग 20 मिनट में घर जैसा खाना डिलीवर करती है। इसे कंपनी ने 2022 में 'इंस्टेंट नाम से 10 मिनट में खाना डिलीवरी की सर्विस बंद करने के बाद शुरू किया था।

स्विगी अपने ऐप में बोल्ट फीचर और एक अलग ऐप स्नेक, जेप्टो का जेप्टो कैफे और स्विस और ब्लिंकिट आदि भी 10 मिनट में फूड डिलीवरी सर्विस दे रहे हैं। डिलीवरी का समय रेस्टोरेंट और डार्क किचन की संख्या पर निर्भर करता है ताकि ग्राहकों तक ऑर्डर पहुंचाने और खाना तैयार करने में लगने वाले समय को कम किया जा सके।

ईवी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर टाटा ईवी

नई दिल्ली ।

टाटा ईवी, ईवी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। ईवी से जुड़ी एक आम भ्रांति यह है कि उनकी रेंज सीमित होती है, लेकिन टाटा ईवी ने इस विचार को गलत साबित किया है। नैक्सान ईवी 45 और क्रूव ईवी जैसे प्रोडक्ट्स ने रेंज की समस्या का समाधान किया है, जिनकी अराई द्वारा प्रमाणित रेंज 489-502 किमी है। ये वाहन फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करते हैं, जिससे महज 40 मिनट में बैटरी 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। इसके अलावा, क्रूव ईवी 70 किलोवॉट प्लस चार्जर का उपयोग कर 15 मिनट में 150 किमी की रेंज जोड़ता है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि टाटा ईवीने ईवी की लागत को प्रतिस्पर्धी बनाया है। अब क्रूव ईवी और नैक्सान ईवी की कीमत आईसीई वाहनों के बराबर हो गई है, और इनमें अधिक फीचर्स और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, ईवी का रखरखाव पारंपरिक वाहनों से कम खर्चीला होता है, जिससे पांच साल में रुपए 4.2 लाख तक की बचत होती है। टाटा ईवी ने सुरक्षा के मामले में भी नए मानक स्थापित किए हैं। पंच ईवी, नैक्सान ईवी और क्रूव ईवी सभी ने बीएनसीएपी से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग प्राप्त की है। इन वाहनों में छह एयरबैग, आईपी 67-रेटेड मोटर और एडवांस लेवल-2 एडीएएस टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं हैं, जो ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करती हैं। इसके साथ ही, कंपनी ने भारत भर में छह ईवी-एक्सक्लूसिव स्टोर और तीन डेडिकेटेड सर्विस सेंटर लॉन्च किए हैं, ताकि ग्राहकों को एक समर्पित वन-स्टॉप सॉल्यूशन मिल सके। टाटा ईवी का उद्देश्य ईवी को मुख्यधारा में लाना और इसके लिए आने वाली सभी बाधाओं को दूर करना है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को एक फ्यूचर-रेडी विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

सीनियर सिटीजन्स को इंश्योरेंस प्रीमियम में राहत: आईआरडीएआई

नई दिल्ली ।

भारतीय इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आईआरडीएआई) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें सीनियर सिटीजन्स को हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में बड़ी राहत प्रदान की गई है। इस निर्देश के अनुसार इंश्योरेंस कंपनियों को सीनियर सिटीजन पॉलिसीहोल्डर्स के लिए प्रीमियम में 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी करने पर रोक लगा दी गई है। आईआरडीएआई के इस नए निर्देश का मुख्य उद्देश्य सीनियर सिटीजन्स की सुरक्षा और उनके हेल्थ इंश्योरेंस को सस्ते और उचित बनाए रखना है। पिछले कुछ सालों में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में भारी बढ़ोतरी के कई मामले सामने आए थे, जिसके कारण सीनियर नागरिकों को अत्यधिक फिनांसियल बोझ झेलना पड़ रहा था। आईआरडीएआई ने इस समस्या का समाधान निकालने के लिए यह निर्देश जारी किया है। अब हेल्थ या जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को प्रीमियम में 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी करने से पहले आईआरडीएआई के पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा। इसके लिए उन्हें एक औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करना होगा और रेगुलेटरी उनके जस्टिफिकेशन को मूल्यांकन करेगा। सिर्फ उचित तथा आवश्यक माने गए बढ़ोतरी को ही मंजूरी दी जाएगी। इसके साथ ही, **IRDAI** ने विभिन्न उपाय भी किए हैं सीनियर सिटीजन की सुरक्षा में सुधार के लिए। विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट को लेकर इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देशित किया गया है, और उन्हें वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए स्टैंडर्डाइज पैकेज पर भी बातचीत के निर्देश जारी किए गए हैं। आईआरडीएआई के इन कदमों से, सीनियर सिटीजन्स को हेल्थ इंश्योरेंस के लिए अधिक सुरक्षित और सस्ते विकल्प मिलेंगे, जिससे उन्हें फिनांसियल तनाव से बचाने में मदद मिलेगी।

इंडिया यामाहा मोटर ने अपने दो प्रमुख मॉडल की कीमत घटाई

नई दिल्ली । इंडिया यामाहा मोटर ने अपने प्रमुख मॉडल - आर3 और एमटी-03 की कीमत 1.10 लाख रुपये तक कम की है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि नई कीमतें एक फरवरी, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी ने बयान में कहा कि यामाहा आर3 की कीमत 3,59,900 रुपये और एमटी-03 की कीमत 3,49,900 रुपये (दिल्ली शोरूम) होगी। इंडिया यामाहा मोटर ने कहा कि प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने कहा कि मूल्य बदलाव के साथ यामाहा ने किफायती प्रीमियम मोटरसाइकिलों की पेशकश करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है जो प्रदर्शन, डिजायन और नवाचार पर खरी उतरती हैं। इंडिया यामाहा मोटर ने कहा कि इस रणनीतिक कदम से भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिल खंड में यामाहा की पकड़ और मजबूत होने तथा बाइक शौकीनों का एक बड़ा वर्ग आकर्षित होने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति मुर्मू: सरकार की कृषि में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि भारत ने 2023-24 में रिकॉर्ड 32.2 करोड़ टन का खाद्यान्न उत्पादन किया है। राष्ट्रपति ने मुख्य ध्यान देने का आह्वान किया जो किसानों की आय बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाखों किसानों को 41,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। सरकार ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की मंजूरी के माध्यम से सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय मिशन के तहत तिलहन पर आत्मनिर्भरता हासिल करने के मिशन को भी मंजूरी दी गई है। कृषि अवसंरचना निधि योजना के विस्तार से ग्रामीण रोजगार में वृद्धि की उम्मीद है। सरकार ने गेहूं, दालों, तिलहनों और मोटे अनाजों पर भी धनराशि की वृद्धि की है। इसके साथ ही, किसानों के लिए खुशखबरी है क्योंकि उन्हें किफायती डीएपी उर्वरकों के लिए सब्सिडी और उच्च उपज वाले जलवायु-अनुकूल बीज किस्मों की भी उपलब्धता है। इससे किसानों की सहायता में सुधार होगा और उन्हें अधिक आर्थिक सशक्तिकरण मिलेगा।

सोलर ऊर्जा से जगमग होंगी महाराष्ट्र की सभी सरकारी इमारतें

- स्थानीय सरकारों को आदेश, 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का निर्देश

मुंबई ।

पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देशभर में अपनी पहचान बना चुकी है। महाराष्ट्र भी इस योजना में अहम भूमिका निभा रहा है और इसके तहत राज्य के 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का कार्य शुरू किया गया है। अब तक लगे संयंत्रों से लोग बिजली के बिलों से मुक्ति पा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब तक सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। सभी सरकारी इमारतों को 15 दिसंबर 2025 से पहले सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण करने का मानद लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त व नियोजन मंत्री ने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक में निर्देश दिया है कि अनजाने सरकारी इमारतों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रयास किया जाए। यह योजना सिर्फ बिजली के बिलों को कम करने के लिए नहीं, बल्कि इससे पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी। इस कदम से सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है जो आने वाले सालों में देश के लिए बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 740, निफ्टी 258 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। आर्थिक सर्वेक्षण के कारण भी आज बाजार में उत्साह का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.76 अंक करीब 0.97 फीसदी बढ़कर 77,500.57 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 258.90 अंक तकरीबन 1.11 फीसदी ऊपर आकर 23,508.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कुल 2,635 शेयर हरे निशान में रहे जबकि 1,131 शेयर लाल निशान पर रहे 120 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी पर टाटा कंज्यूमर, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में तेजी रही जबकि भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, पावर, पीएसयू, रियल्टी और एफएमसीजी 2 फीसदी तक उछले जबकि कैपिटल गुड्स इंडेक्स लगभग 4 फीसदी ऊपर आया।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि 2025-26 में 6.3-6.8 फीसदी रहने की संभावना है।

30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में, लार्सन एंड टुब्रो 4.31 फीसदी बढ़ा, क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने दिसंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 14 फीसही की वृद्धि दर्ज की, जो 3,359 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नेस्ले 4.25 फीसदी बढ़ा क्योंकि एफएमसीजी प्रमुख ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.94 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 688.01 करोड़ रुपये रहा। अन्य प्रमुख बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, टाइटन, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईटीसी और मारुति शामिल थे। वहीं आईटीसी होटल्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर नीचे आये।

इस माह बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 638.44 अंक या 0.81 फीसदी गिरा, जबकि निफ्टी 136.4 अंक या 0.57 फीसदी नीचे आया। शेयर बाजार के ऊंचे मूल्यांकन को लेकर सतर्कता बरतते हुए, आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि अमेरिकी बाजारों में कोई भी गिरावट भारत पर असर डाल सकती है, जहां कोविड के बाद युवा निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है।

पिछले कुछ वर्षों में, खुदरा भागीदारी, विशेष रूप से युवा निवेशकों की, शेयर बाजार में काफी बढ़ी है। निवेशकों की भागीदारी वित्त वर्ष 2020 में 4.9 करोड़ से बढ़कर 31 दिसंबर, 2024 तक 13.2 करोड़ हो गई। दूसरी ओर, जब निफ्टी 50 में 10 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, तो 51 मामलों में से 13 में एसएंडपी 500 ने सकारात्मक रिटर्न दिया, जिसमें औसत रिटर्न -5.5 फीसदी रहा।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो हरे निशान में बंद हुआ, जबकि सियोल में गिरावट देखी गई। शंघाई और हांगकांग के बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। जापान का निक्केई 0.13 फीसदी चढ़ा और टॉपिक्स इंडेक्स में 0.1 फीसदी की बढ़त रही।

नकली हीरों से ग्राहकों को बचाने के लिए सरकार ला रही है नीति

- सोने की तर्ज पर सर्टिफिकेट देने की कवायद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने नकली हीरों की धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने के लिए एक नई पॉलिसी लाने की तैयारी कर ली है। इस पॉलिसी को ठीक सोने की हॉलमार्क की तरह एक प्रमाणपत्र के रूप में लाया जा सकता है, जिसे हीरे खरीदते समय कंपनियां ग्राहकों को देने का सोच रही हैं। इस मुहिम के तहत दुनिया की अग्रणी हीरा कंपनी डी बीयर्स ग्रुप ने जेम एंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के सहयोग से असली हीरे को बढ़ावा देने के लिए भारत में इंडियन नेचुरल डायमंड रिटेलर एलायंस (इंद्रा) के तहत गतिविधियां शुरू की हैं। डी बीयर्स के भारत में एक अे धिकारी ने इस पॉलिसी को स्वागत किया और इंद्रा के माध्यम से असली हीरे की पहचान के मामले में सुधार आ सकता है। वर्तमान में भारतीय आभूषण खुदरा क्षेत्र में असली हीरे की पहुंच केवल 10 फीसदी है, जिसे बढ़ाने के लिए इस प्रमोशन मामले को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जीजेईपीसी के 10,500 सदस्य इस पहल में नामांकन कर सकेंगे, जिससे भारतीय रत्न और आभूषण बाजार में असली हीरे की मांग और पहचान में सुधार सके। इस समय बाजार का मूल्य 85 अरब डॉलर है, और 2030 तक यह 130 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।

आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट: सीनियर सिटीज़न को मिल सकती है रेलवे टिकट में छूट

- केंद्रीय बजट में कैपिटल गेन टैक्स में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शे निवार को देश का केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जिससे पहले शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। यह सर्वेक्षण देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति, विकास दर और प्रमुख आर्थिक चुनौतियों का विश्लेषण करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसका व्यापक असर देश के वित्तीय और नीतिगत फैसलों पर होता है। बजट से पहले विशेषज्ञों और जनता की नजरें कुछ अहम बदलावों पर हैं, जिनमें से एक है सीनियर सिटीज़न को रेलवे टिकट पर मिलने वाली छूट की बहाली। कोरोना महामारी के पहले तक 60 साल से ऊपर के पुरुषों को 40 फीसदी और महिलाओं को 50 फीसदी की छूट दी जाती थी। कोविड-19 के दौरान 2020 में इस छूट को बंद कर दिया गया था और महामारी के बाद भी यह सुविधा फिर से शुरू नहीं की गई। सीनियर सिटीज़न लंबे समय से इस छूट को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि इस बजट में सरकार इस सुविधा को फिर से लागू कर सकती है। इसके अलावा पिछले बजट में किए गए कैपिटल गेन टैक्स के नियमों में बदलाव ने कई निवेशकों को निराश किया था। कैपिटल गेन टैक्स उन प्रॉफिट्स पर लगता है जो किसी संपत्ति, शेयर या म्यूचुअल फंड्स की यूनिट्स को बेचने से होते हैं। इस प्रॉफिट पर जो टैक्स लगाया जाता है, उसे कैपिटल गेन टैक्स कहा जाता है, जो दो तरह का होता है - शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म।

पिछले बदलावों के बाद निवेशकों ने इन नियमों में सुधार की उम्मीद जताई है। इस बजट में एक बार फिर इन नियमों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है ताकि निवेशकों को राहत मिल सके।

सेवा का महायज्ञ: महाकुंभ में अदाणी समूह का अनुकरणीय योगदान

महाकुंभ नगर : महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं की सेवा में अदाणी समूह के कर्मी एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। मेला क्षेत्र में चल रहे सेवा कार्यों की निगरानी स्वयं चेयरमैन गौतम अदाणी और अहमदाबाद मुख्यालय से की जा रही है, ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। अदाणी समूह के कर्मी, इस्कॉन के सहयोग से, विभिन्न स्थलों पर भोजन वितरण की व्यवस्था में न केवल सहयोग कर रहे हैं, बल्कि प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं के लिए स्थापित विशाल रसोई में भोजन निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। महाकुंभ में स्नान हेतु श्रद्धालुओं को सुगमता प्रदान करने के लिए चलाई जा रही 4 दर्जन से अधिक गोल्फ कार्ट सेवाओं के संचालन में भी अदाणी कर्मी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा, वे रास्ता भटकने वाले श्रद्धालुओं को सही दिशा दिखाने और बिछड़े हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में भी तत्परता से सहायता कर रहे हैं। अदाणी समूह की इस सेवा साधना को समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की प्रेरणा और निर्देश प्राप्त हैं, जिनका मानना है कि सेवा ही साधना है, सेवा ही प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है। इसी भावना के साथ अदाणी समूह तीर्थराज प्रयाग में चल रहे महाकुंभ में पूरी निष्ठा से दिन-रात सेवा कार्यों में जुटा हुआ है।

लोढ़ा भाइयों के ट्रेडमार्क विवाद को मध्यस्थता की सुनवाई देने का आदेश

मुंबई । मुंबई उच्च न्यायालय ने 31 जनवरी को व्यवसायी भाइयों अभिषेक लोढ़ा और अभिनंदन लोढ़ा के बीच चल रहे लोढ़ा ट्रेडमार्क के विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता की सुनवाई की तारीख निर्धारित की। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की एकल पीठ से जाने गए एक बयान में भाइयों ने मध्यस्थता के लिए सहमति जताई और विवाद का समाधान करने के लिए तैयारी की। विवाद के बीच अभिषेक के द्वारा प्रवर्तित मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड ने अभिनंदन की रियल एस्टेट कंपनी 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। कंपनी ने अपने ट्रेडमार्क लोढ़ा की सुरक्षा के लिए सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय में यह कदम उठाया था। अदालत ने निर्धारित किया है कि पहले भाइयों के बीच मध्यस्थता होगी और यदि आवश्यक हो तो बाद में अन्य संबंधित पक्षों को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपने अंतरिम आवेदन में दावा किया कि वे लोढ़ा समूह की प्रमुख कंपनी हैं और उनका ट्रेडमार्क को उल्लंघित करने वालों के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा मांगी है। इस मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान आगे की कार्रवाई सप्ताहों में सम्पन्न करने की कोशिश की जाएगी, कम से कम 21 मार्च तक आन्तरिम राहत के लिए मामले को सूचित किया गया है।

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

ललित गर्ग

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है।

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरूआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरूआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही

संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरूआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीघार्यु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहुल की दलित नीति

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जब भी कुछ कहते हैं तो वह बहुत से लोगों को बहुत तरह से सोचने का मसाला भी दे देते हैं। कभी-कभी इतना अटपटा बोल देते हैं कि वह गैर कांग्रेसियों के बीच मजाक बन जाते हैं और फिर पूरी कांग्रेस को क्षतिपूर्ति के अनुष्ठान में लग जाना पड़ जाता है। चाहे उनका लोक सभा चुनाव के दौरान दिया गया शक्ति वाला बयान हो या हरियाणा चुनाव के दौरान दिया गया जलेबी के कारखाने वाला बयान हो। वह प्रायः अपने बयानों की गंभीरता को बनाए नहीं रख पाते। इस बार उन्होंने एक बार फिर अपनी पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। दलित बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में आमंत्रित वक्त के रूप में उन्होंने कहा कि जब तक दलित और पिछड़े कांग्रेस के साथ थे तब तक आरएसएस सत्ता से दूर रहा, लेकिन 1990 के बाद यानी नरसिंह राव के शासनकाल में कांग्रेस दलित और पिछड़ों को अपने साथ जोड़कर नहीं रख सकी। अब वह कांग्रेस की इस गलती को सुधारना चाहते हैं। दलित और पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस के भीतर ही क्रांति करेंगे। आशा यह है कि दलित-

पिछड़ों को अपनी पार्टी में जगह देकर दलित-पिछड़े समूह को अपनी पार्टी से जोड़ेंगे और अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करेंगे और उनके बल पर संघ और भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। इसके लिए उन्होंने यह आशंका भी जताई है कि अपनी पार्टी में विरोध भी सहना पड़ सकता है लेकिन वह इस इरादे को पूरा करने के लिए किसी की भी नहीं सुनेंगे। यह हास्यास्पद स्थिति है कि कांग्रेस का शीर्षस्थ नेता एक नीतिगत प्रश्न को एक सामान्य बैठक में इस तरह से प्रस्तुत करे। पहले उन्हें अपनी पार्टी के भीतर यह बात रखनी चाहिए थी पार्टी में दलित और पिछड़ों को क्या जगह दी जाए, कैसे दी जाए इसकी प्रक्रिया तय करनी चाहिए थी और जब एक स्पष्ट रणनीति निर्धारित हो जाती तो उसे जनता के सामने स्पष्टतः रखना चाहिए था। उन्हें यह भी समझना चाहिए था कि जो दलित और पिछड़े समूह स्वयं शक्तिशाली होकर इस या उससे गठजोड़. करने की स्थिति में हैं, वे राहुल गांधी की कृपा पर क्यों रहेंगे। लेकिन राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अब उनकी पार्टी तय करेगी कि उनके इस नीति वक्तव्य का वह क्या करे।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है। यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

बजट भाषण उपरांत शेयर बाजार गिरने के निहितार्थ

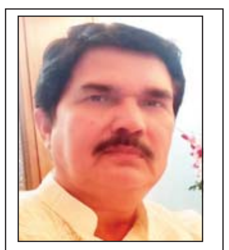

डॉ हिदायत अहमद खान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर दिया है। इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष खासा खुश है तो वहीं विपक्ष इसे आंकड़ों की जादूगरी बताकर इसकी आलोचना भी कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि यह बजट बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार केंद्रित कर दिया गया। ज्यादातर योजनाओं के जरिये बिहार को बहुत कुछ उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है। इससे पहले की बात करें तो संसद में बजट पेश होता उससे पहले शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला, लेकिन बजट भाषण जैसे ही खत्म हुआ इसमें गिरावट देखने को मिली। इससे संदेश यह गया कि बजट में शेयर बाजार और निवेशकों के लिए कुछ खास नहीं है। इस कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण बजट में रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम आवंटन बताया जा रहा है। एचएएल, बीईएल और बीएचईएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और निजी रक्षा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। इस बजट में सरकारी पूंजीगत व्यय में मामूली बढ़ोतरी की गई है, जिससे यह 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, यह निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे बाजार में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वहीं, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को इस बजट से सकारात्मक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों के शेयरों में मजबूती देखी जा सकती है। वैसे सत्ता पक्ष ने इस बजट को टैक्स सुधार की श्रेणी में रखते हुए आम जनता को राहत देने वाले बजट के तौर पर प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान नए इनकम टैक्स बिल का ऐलान किया है, जिसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। इस नए टैक्स स्ट्रक्चर के तहत, 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर सशर्त कोई टैक्स नहीं लगेगा। दरअसल बिना किसी निवेश के 0-4 तक की आय में कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि 04-8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा, 8 से 12 लाख रुपये तक आमदनी पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। यदि निवेश किया जाता है तो 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं 12-16 लाख तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 16-20 लाख तक की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 20 से 24 लाख रुपये तक की आय पर 25 फीसदी टैक्स के साथ ही 24 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए टैक्स में राहत दी गई है, जिसमें टीडीएस की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है। वहीं टीसीएस की सीमा को भी 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इस प्रकार टैक्स में नयापन लाने और आमजन को लाभ पहुंचाने का प्रयास जरुर किया गया है। सरकार का उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टैक्स भुगतान के प्रति जागरूक हों। इन सुधारों से करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि बजट पेश किए जाने से पहले तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार नई टैक्स प्रणाली को अधिक बढ़ावा देगी और कर ढांचे में संभावित बदलाव कर सकती है। करदाताओं को उम्मीद थी कि नए स्लैब के तहत टैक्स दरों में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिससे उनकी कर देनदारी कम होगी और बचत बढ़ेगी। हालांकि, बजट के बाद शेयर बाजार की नकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि अनेक क्षेत्रों की सरकार से जो अपेक्षाएं थीं वो पूरी नहीं हो सकी हैं। बजट में घोषित इन बदलावों से जहां एक ओर बचत को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। खासतौर पर मध्यम वर्ग और कम आय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। हालांकि, निवेशकों को सरकार की नीतियों से और अधिक स्पष्टता की उम्मीद थी, खासकर रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में। बहरहाल कहा जा सकता है कि यह बजट कुछ क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है, जबकि कुछ अन्य सेक्टर इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगे। वित्त मंत्री सीतारमण का यह बजट आम जनता के लिए राहत देने वाला साबित हो सकता है, लेकिन शेयर बाजार में तुरंत इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा, जो वाकई चिंतनीय है। बाजार की दीर्घकालिक प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार बजट के क्रियान्वयन में कितनी प्रभावी साबित होती है।

राजनीतिः दिल्ली में किसकी सरकार

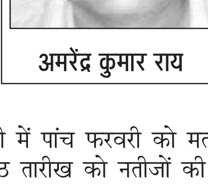

अमरेंद्र कुमार राय

दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान है, और आठ तारीख को नतीजों की घोषणा। तीन तारीख तक चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। बावजूद इसके कोई भी बताने की स्थिति में नहीं है कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। इसकी कुछ वजहें हैं। जो कुछ पिछले लोक सभा चुनाव, हरियाणा विधानसभा चुनाव और उससे भी बढ़ कर महाराष्ट्र चुनाव में हुआ, उसके बाद किसी की हिम्मत नहीं हो रही है कि खुल कर बता दे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। किसको कितनी सीटें मिल रही हैं।

इससे पहले आप ने देखा था कि चुनाव से बहुत पहले से कई सर्वे एजेंसियां बताने लगती थीं कि अमुक पार्टी या गठबंधन को बढ़त है, और फलां को इतनी सीटें मिल रही हैं। लोक सभा चुनावों में कुछ एजेंसियों ने बीजेपी के अकेले 350 से ज्यादा सीटें जीतने की घोषणा की लेकिन बीजेपी 240 पर ही अटक गई। बाद में यह भी सामने आया कि चुनाव आयोग ने खेल न किया होता, निष्पक्ष चुनाव हुए होते तो बीजेपी की सीटों की संख्या 180 पर सिमट गई होती। हरियाणा के चुनाव में कोई सर्वे एजेंसी नहीं कह रही थी कि बीजेपी जीत भी सकती है, बल्कि वे कांग्रेस की बंपर जीत और बीजेपी की बुरी हार का दावा कर रही थीं। लेकिन नतीजे बिल्कुल विपरीत आए। बीजेपी ने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। 2014 के चुनावों में जब नरेन्द्र मोदी की आंधी चल रही थी तब भी बीजेपी हरियाणा में 45 सीटें पार नहीं कर पाई थी। 2019 के चुनाव में तो वह 40 सीटों पर ही सिमट गई थी। लेकिन 2024 में उसकी निश्चित हार, वह भी बुरी तरह दिख रही थी, के आकलन के बावजूद उसने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। महाराष्ट्र में तो और भी बुरा हाल हुआ। कुछ महीने पहले हुए लोक सभा चुनाव में जिस कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी शरद पवार वाले गुट ने एनडीए को बुरी तरह पटखनी दी थी, वह विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हार गया। कहां तो इनके दो सौ सीटें जीतने की भविष्यवाणी की जा रही थी और कहां ये सब मिल कर पचास सीटें भी नहीं पा सके। इसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठे। माना जा रहा है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में जनता की जीत नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के खेल की जीत है। इसीलिए अब हर सर्वे एजेंसी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीती जाने वाली सीटों की संख्या घोषित करने में घबरा रही है।

बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर तीन बातें कही जा रही हैं। एक यह कि जमीन पर आम आदमी पार्टी (आप) मजबूत है और बाकी पार्टियों पर बढ़त बनाए हुए है। इसकी सीटों की संख्या पिछले दो विधानसभा चुनावों की तुलना में कम जरूर हो जाएगी लेकिन सरकार बनाने लायक बहुमत आसानी से पा जाएगी। दूसरी बात यह कही जा रही है कि पिछले दस साल सरकार चलाने के बाद लोगों में आप को लेकर नाराजगी है, और इस बार वे सरकार बदलने के मूड में हैं, और इसका लाभ बीजेपी को मिल सकता है। तीसरी बात यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पांच प्रतिशत से भी कम पर सिमट गई थी। इस बार वह जोर लगा रही है। इसलिए अपने वोटों का प्रतिशत बढ़ा कर दस के आसपास कर सकती है। इससे उसकी सीटों का खाता तो शायद न खुले लेकिन निराशा से वह जरूर बच सकती है। वह अपने कार्यकताओं को सपना दिखा सकती है कि इस बार हम वोट बढ़ा सकते हैं तो आगे जीत कर सरकार भी बना सकते हैं। कुछ लोग बीजेपी की जीत और आप की हार में कांग्रेस के वोटों में बढ़ोतरी ही देख रहे हैं।

कुछ कांग्रेस समर्थकों की यह भी सोच है कि मुस्लिम और दलितों में कांग्रेस के प्रति रुझान है। ये दोनों वर्ग मिला कर दिल्ली की आबादी में 30 प्रतिशत हैं। अगर इन दोनों वर्गों ने कांग्रेस का साथ दिया और राहुल गांधी ने आक्रामक प्रचार किया तो कांग्रेस 15 प्रतिशत के आसपास वोट भी पा सकती है, विधानसभा चुनाव में वह आठ-दस सीटें भी जीत सकती है, और ऐसा हुआ तो त्रिशंकु विधानसभा आएगी और फिर कांग्रेस दिल्ली में पुनर्जीवित हो उठेगी। हालांकि इसकी संभावना न के बराबर है। हर चुनाव के बाद खासकर बीजेपी की जीत का एक नरेशन गढ़ा जाता है। जैसे हरियाणा के नतीजों के बाद नरेशन गढ़ा गया कि लोक सभा चुनाव में संघ ने बीजेपी के लिए काम नहीं किया था। हरियाणा के चुनाव में उसने काम किया और हारी बाजी जीत में पलट दी। कांग्रेस की गुटबाजी को भी उसकी हार की वजह बताया गया। महाराष्ट्र के चुनावों में महिलाओं को बांटे जाने वाले रुपये को जीत का आधार बताया गया। उसे सही ठहराने के लिए झारखंड और मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाएं और उनके नतीजे सामने रखे गए। आपको याद होगा कि गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में बीजेपी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की थी। तब नरेशन गढ़ा गया कि वहां आप ने कांग्रेस के ज्यादातर वोट काट लिए। इसलिए ऐसा नतीजा आया। तो दिल्ली में भी इसकी संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इडली कढ़ाई में नजर आएगी धनुष-नित्या मेनन की जोड़ी

धनुष अपनी आगामी फिल्म इडली कढ़ाई को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। फिल्म में धनुष के साथ नित्या मेनन की जोड़ी साथ नजर आएगी। जानिए धनुष की फिल्मइडली कढ़ाई को प्रशंसक कब देख सकेंगे।

फिल्म में नजर आएगी धनुष-नित्या मेनन की जोड़ी

साउथ अभिनेता धनुष की आगामी ड्रामा फिल्मइडली कढ़ाई, जिसे उन्होंने निर्देशित और लिखा भी है। शुरू में फिल्मइडली कढ़ाई 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। इडली कढ़ाई में धनुष के साथ नित्या मेनन मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म का निर्देशन और लेखन धनुष ने किया है

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,इडली कढ़ाई की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ाया जा सकता है। नई तारीख 24 अप्रैल, 2025 तय की जा सकती है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। धनुष निर्देशित फिल्मइडली कढ़ाई तमिल भाषा में रिलीज होगी। धनुष के प्रशंसक इस फिल्म को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। धनुष की फिल्मइडली कढ़ाई का पोस्टर भी रिलीज किया जा चुका है, जिसमें अभिनेता एक झोपड़ी की ओर जाते हुए नजर आए।

24 अप्रैल, 2025 को रिलीज हो सकती है इटली कढ़ाई?

इस बीच, धनुष द्वारा निर्देशित एक और फिल्म, नीलावुकु एन मेल एन्ताडी कोबाम (नीक) को भी स्थगित कर दिया गया है, इसकी मूल रिलीज तारीख 7 फरवरी, 2025 से आगे बढ़कर 21 फरवरी, 2025 कर दी गई है। धनुष के निर्देशन वाली फिल्मनीलावुकु एन मेल एन्ताडी कोबाम में प्रियंका नजर आएंगी। इस फिल्म से अभिनेत्री प्रियंका मोहन का पहला सिंगलगोल्डन स्पैरो अब यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक व्यूज के साथ धूम मचा चुका है।

इटली कढ़ाई के अलावा धनुष नीक में भी नजर आएंगे

दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ दो महीनों के अंदर में धनुष द्वारा निर्देशित दो फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित धनुष की फिल्म कुबेर भी इस साल के आखिर में रिलीज होने वाली है।

सैफ के लाडले इब्राहिम को लॉन्च करेंगे करण जौहर

नेपोटिज्म के आरोपों से घिरे रहने वाले करण जौहर एक और स्टारकिड को इंडस्ट्री में लॉन्च करने जा रहे हैं। इस बार वे सैफ अली खान के लाडले इब्राहिम अली खान पर दांव लगा रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुद इसका एलान किया है। करण जौहर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इब्राहिम की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लंबा नोट लिखा है और उनके डेब्यू की जानकारी दी है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए करण ने लिखा, मैं अमृता (इब्राहिम की मां) से पहली बार तब मिला था जब मैं सिर्फ 12 साल का था। उस वक्त वो मेरे पिता के साथ फिल्म दुनिया में काम कर रही थीं। मुझे याद है कि कैमरे पर उनकी एनर्जी और पकड़ दोनों ही बहुत मजबूत थे।

कई पीढ़ियों से चली आ रही दोस्ती

करण ने आगे लिखा, इस पहली मुलाकात में जो सबसे यादगार रहा वो यह था कि हमने चाइनीज डिनर किया था और उसके बाद जेम्स बॉन्ड की एक फिल्म देखी थी। हम जिस पल मिले उसी पल उन्होंने मुझे अपना महसूस कराया और यही उनकी ताकत थी। यही आदत उनमें आज भी है और उनके बच्चों में भी आई। अपनी इस पोस्ट में करण जौहर ने आगे लिखा, सैफ से मैं पहली बार अंजू महेंद्रू के ऑफिस में मिला था। वो बेहद यंग और खूबसूरत थे, बिल्कुल उसी तरह जैसे मैं पहली बार उनके बेटे इब्राहिम से मिला। कुछ इस तरह हमारी दोस्ती कई जनरेशन से चली आ रही है और अब खुशकिस्मती से हमारे बच्चों के बीच भी यह जारी है।

इब्राहिम के डेब्यू का किया एलान

करण आगे लिखते हैं, मैं इस परिवार को बीते 40 साल से जानता हूं। मैंने इनके साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है। अमृता के साथ दुनिया और 2 स्टेट्स में, सैफ के साथ कल हो ना हो और कुर्बान में, सारा के सिंबा में.., मैं इस परिवार को उनके प्यार की वजह से जानता हूं। फिल्में इनके खून में हैं। और इसी के साथ मैं एक नए टैलेंट के लिए रास्ता बनाना चाहता हूं, जिसे मैं दुनिया के साथ शेयर करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। तो इंतजार कीजिए इब्राहिम अली खान पटौदी का जो जल्द ही स्क्रीन के जरिए आपके दिलों तक का रास्ता तय करेंगे।

क्या एस एस राजामौली की फिल्म में नजर नहीं आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन?

सुपरस्टार महेश बाबू और एस एस राजामौली अपनी एक्शन एडवेंचर फिल्म को लेकर काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म का अस्थाई नाम एसएसएमबी 29 रखा गया है। फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर प्रियंका चोपड़ा नजर आ सकती हैं।

पृथ्वीराज को लेकर लग रहे कयास

जहां एक ओर इस फिल्म को लेकर फैंस में जबर्दस्त उत्साह है। वहीं, दूसरी ओर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के इस फिल्म में काम करने को लेकर भी तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने इस मुद्दे पर अपने खास अंदाज में जवाब दिया।

अभिनेता ने दी प्रतिक्रिया

पृथ्वीराज ने कहा, लगता है कि सभी लोग मुझसे ज्यादा इस फिल्म के बारे में जानते हैं। देखिए, अभी तक कुछ भी कंफर्म नहीं है। बहुत कुछ अभी तय होना बाकी है। जब सब कुछ तय हो जाएगा, तब हम देखेंगे। जॉन अब्राहम को लेकर भी हो रहे दावे बता दें कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एस एस राजामौली पृथ्वीराज की जगह जॉन अब्राहम को इस भूमिका के लिए कास्ट कर सकते हैं। इस खबर से फैंस के बीच हलचल बढ़ गई थी। अब सभी लोग इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म में जल्द दिखेंगे पृथ्वीराज

पृथ्वीराज सुकुमारन अपनी आने वाली फिल्म एल 2ः एम्पुरान के निर्देशन की वजह से चर्चा में हैं। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2025 को रिलीज होने वाली है। निर्देशक ने साथ फिल्म में पृथ्वीराज अहम भूमिका में भी नजर आएंगे।

किरदारों में ढलने के लिए करना पड़ता है त्याग

शाहिद कपूर बॉलीवुड में वर्सटाइल एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। वह अपनी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं, साथ ही बड़े पर्दे पर अपने लुक के साथ भी काफी एक्सपेरिमेंट करते हैं। हाल ही में अपनी फिल्म 'देवा' के प्रमोशन के दौरान शाहिद कपूर ने अपने लुक चेंज से जुड़ी बातें भी साझा की। क्या लुक चेंज के दौरान उनके मन में किस तरह का डर भी बन रहता है, इस बारे में भी बताया। एक एक्टर को त्याग करना पड़ता है हाल ही में एएनआई को दिए एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद कपूर कहते हैं, ' अगर मैं अपने बाल मुंडवाने से डर जाऊंगा तो कैसे चलेगा? जब बचपन में बच्चे के बाल मुंडवाए जाते हैं तो कोई नहीं पूछता है कि बाल वापस आएंगे या नहीं।' शाहिद आगे कहते हैं, ' मुझे अपने बालों से बहुत प्यार है लेकिन एक एक्टर होने के नाते अपनी पसंदीदा चीजें त्याग करने की आदत होनी चाहिए।'

कॉन्फिडेंस के बारे में बात की

शाहिद कपूर अपनी बात को आगे बढ़ते हैं और कहते हैं, ' बाल, चेहरा ये सब चीजें हमारी पर्सनालिटी का बस एक पार्ट हैं, हमारी पर्सनालिटी हमारे कॉन्फिडेंस से अच्छी बनती है इसलिए इन बाहरी बातों पर ज्यादा गौर नहीं करना चाहिए।' फिल्म 'हैदर' के लिए भी शाहिद ने अपने बालों के साथ एक्सपेरिमेंट किया था, अपना लुक चेंज किया था। दर्शकों को एक्टर का यह लुक पसंद आया और फिल्म भी हिट रही। इस तरह से शाहिद की मेहनत रंग लाई थी।

देवा को लेकर एक्साइटेड

शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' में उनके साथ पूजा हेगड़े नजर आएंगी। शाहिद फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में जो माफिया का सफाया करना चाहता है। फिल्म को लेकर एक्टर शाहिद कपूर भी काफी एक्साइटेड हैं। शाहिद कपूर ने अपने किरदार को रॉ एंड रियल बताया है। प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे शाहिद कपूर अपनी फिल्म 'देवा' के प्रमोशन के लिए दिल्ली भी पहुंचे हैं। राजधानी के एक कॉलेज में शाहिद और पूजा हेगड़े फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे, दोनों ने स्टूडेंट्स के लिए डांस भी किया, उन्हें खूब एंटरटेन किया।

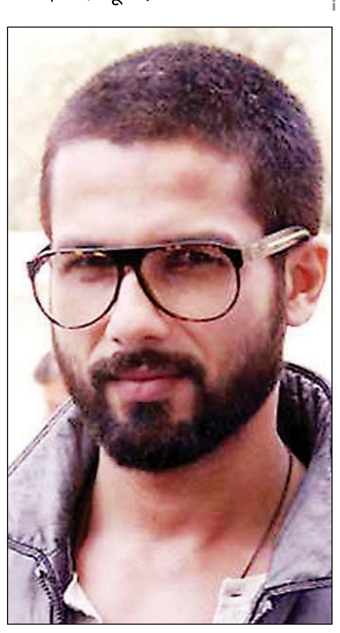

प्रभास की पुलिस ड्रामा स्पिरिट में होगी पागलपन भरी पृष्ठभूमि

प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्मस्पिरिट को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का निर्देशन एनिमल फेम निर्देशक संदीप वागा रेड्डी करेंगे।स्पिरिट को लेकर कई जानकारियां सामने आई हैं, जिसे पढ़ने के बाद प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ जाएगा।

पुलिस अफसर में नजर आएंगी प्रभास

संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी पिछली फिल्म एनिमल की सफलता से दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं अब, वह प्रभास के साथस्पिरिट नाम की एक पुलिस ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है।

फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे

संदीप बैकग्राउंड स्कोर पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और जल्द ही इस प्रोजेक्ट के बारे में आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,स्पिरिट की कहानी की बात करें तो यह एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के बारे में है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित एक बड़ा काम सौंपा जाता है।

सैफ-करीना कपूर खान भी आ सकते हैं नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की पृष्ठभूमि बेहद दिलचस्प है।स्पिरिट ड्रग माफिया के इर्द-गिर्द घूमेगी और इंडोनेशिया में सेट की जाएगी। प्रभास इस फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसकी कहानी ड्रग लॉर्ड्स के खिलाफ उनकी लड़ाई पर आधारित होगी। फिल्म में सैफ अली खान और करीना कपूर की होने की बात भी सामने आई है, हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आदिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

हर्षवर्धन रामेश्वर करेंगे संगीत तैयार

एनिमल के लिए शानदार बैकग्राउंड स्कोर देने वाले हर्षवर्धन रामेश्वर एक बार फिर स्पिरिट के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। टी-सीरीज संदीप के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रही है और रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद और जकार्ता में शूट किया जाएगा।

रणदीप हुड्डा से पहले इन भारतीयों ने किया हॉलीवुड में काम

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक कई भारतीय अभिनेता हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बन चुके हैं। भारतीय फिल्मों में अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करने के बाद इन्होंने हॉलीवुड में काम करते हुए प्रशंसा प्राप्त की। हाल ही में अभिनेता रणदीप हुड्डा एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की आगामी एक्शन थ्रिलरमैचबॉक्स से जुड़े। इसका निर्देशन 'एवेंजर्स एंडगेम' के एक्शन डायरेक्टर सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। निर्देशक के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह साल 2020 में नेटफ्लिक्सएक्सट्रैक्शन में साथ काम कर चुके हैं। आइए आज ऐसे ही भारतीय अभिनेताओं के बारे में जानते हैं, जो हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बन चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अभिनेत्री ने पॉप सिंगर निक जोनास से शादी की और विदेश जाकर बस गई हैं। हालांकि, वह समय-समय पर भारत का दौरा करती रहती हैं। साथ ही वह भारत में फिल्मों के निर्माण से भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने कई हॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में अभिनय किया है। अभिनेत्री ने हॉलीवुड सीरीजबेवॉच में निगेटिव किरदार निभाया। इसके अलावा वह साल 2020 में आई शॉर्ट फिल्म 'वी आर ओनली फैमिली', 'वी कैन बी हीरोज' और 'हैप्पीनेस कंटिन्यू' का हिस्सा रहीं। साल 2021 में 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', साल 2023 में 'लव अगेन' और 'टाइगर' में भी अभिनेत्री ने अदाकारी की। वह साल 2023 में हॉलीवुड वेब सीरीज 'सिटोडल' में भी अभिनय कर चुकी हैं।

दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय और खूबसूरती से सभी को इंप्रेस किया है। बॉलीवुड में वह सबसे ज्यादा पसंदी की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं। अभिनेत्री दीपिका भी हॉलीवुड फिल्म में अभिनय कर चुकी हैं। वह विन डीजल के साथट्रिपल एक्सः रिटर्न ऑफ जेंडर केज में निगेटिव किरदार अदा कर चुकी हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड का ऐसा नाम है, जिसे बच्चा-बच्चा जानता है। अभिनेत्री की खूबसूरती और अदाकारी की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। बॉलीवुड फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाने के बाद वह हॉलीवुड फिल्म में भी नजर आईं। ऐश्वर्या ने साल 2012 में आई फिल्मद पिंक पैंथर 2 में विलन का रोल किया था। इसके अलावा अभिनेत्रीद लास्ट लीजन,प्रोवोक्ड,मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज में भी अभिनय कर चुकी हैं।

अनिल कपूर

अनिल कपूर हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लुक को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहते हैं, उनके बारे में कहा जाता है कि उनकी उम्र रुक चुकी है। वह बूढ़े नहीं हो रहे। हिंदी फिल्मों के सुपरहिट हीरो अनिल कपूर ने हॉलीवुड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' में नकारात्मक भूमिका अदा की है।

आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट भी हॉलीवुड फिल्म में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। उन्होंने साल 2023 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की। अभिनेत्री ने हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' में अपने निगेटिव किरदार से सभी को प्रभावित किया।

अली फजल

'मिर्जापुर' सीरीज फेम अभिनेता अली फजल भी हॉलीवुड फिल्म में नजर आ चुके हैं। वह फिल्म 'डेथ ऑन द नाइल' में अभिनय कर चुके हैं। इसके अलावा अभिनेताविक्टोरिया ऐंड अबदुल,कंधार,रूल ब्रेकर्स में भी नजर आ चुके हैं।

रिद्धिमान साहा का क्रिकेट से संन्यास, साथियों ने कंधों पर बिठाकर दी विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिद्धिमान साहा ने आखिरकार क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पंजाब के खिलाफ मुकाबला जीतने के बाद उन्हें बंगाल टीम के साथियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वह उन्हें कंधों पर बिठाकर मैदान से बाहर भी लाए। इस बीच भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी विकेटकीपर बल्लेबाज के क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद क्रिकेट के खेल पर 'अमिट छाप' छोड़ने के लिए रिद्धिमान साहा को बधाई दी। बहरहाल, शमी ने लिखा- आज हम भारतीय क्रिकेट के सच्चे दिग्गज रिद्धिमान साहा को विदाई दे रहे हैं। मैदान के अंदर और बाहर उनके शानदार ग्लव वर्क और अनगिनत यादगार पलों ने एक अमिट छाप छोड़ी है। रणजी ट्रॉफी से लेकर राष्ट्रीय टीम तक, उनके समर्पण और जुनून ने हम सभी को प्रेरित किया है। आपके अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं, रिद्धिमान। आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी!

141 प्रथम श्रेणी मैचों में साहा ने 48.68 की औसत से 7,169 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 44 अर्द्धशतक शामिल हैं। 40 वर्षीय ने आखिरी बार भारत के लिए दिसंबर 2021 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 29.41 की औसत से 1,353 रन बनाए, साथ ही नौ वनडे भी खेले। आईपीएल 2025 नीलामी में उनपर दांव नहीं लगा। साहा ने 2008 के बाद से हर आईपीएल सीजन में खेला है। वह हाल ही में गुजरात टाइटन्स के साथ थे, जिसने साल 2022 का खिताब जीता था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के साथ भी खेले हैं। 2014 फाइनल में उन्होंने शतक भी लगाया था।

40 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीज़न के दौरान क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। साहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि क्रिकेट में एक यादगार यात्रा के बाद, यह सीज़न मेरा आखिरी होगा। मैं अंतिम बार बंगाल का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं, संन्यास लेने से पहले केवल रणजी ट्रॉफी में खेल रहा हूं। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं!

विराट कोहली को नहीं मिली दूसरी पारी, दिल्ली जीता, बड़ा सवाल- कैसे लौटेंगे फार्म में

कराची (एजेंसी)। नई दिल्ली - कप्तान आयुष बडोनी (99) और सुमित माथुर (86) शानदार पारियों के बाद शिवम शर्मा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के तीसरे दिन रेलवे को पारी और 19 रन से हरा दिया है। दिल्ली ने आज सात विकेट पर 334 रनों से आगे खेलना शुरु किया। रेलवे के गेंदबाजों ने आज दिल्ली की पारी को 374 स्कोर पर रोक दिया। दिन का पहला विकेट सिद्धांत शर्मा (18) के रूप में गिरा। सुमित माथुर (86) को हिमांशु सांगवान ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद सांगवान ने मनी ग्रेवाल (0) को आउट कर दिल्ली की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ दिल्ली को 133 रनों की बढ़त मिल गई। रेलवे की ओर से हिमांशु सांगवान ने 4 विकेट लिए। कुनाल यादव को 3 विकेट मिले। राहुल शर्मा, आयन चौधरी और कर्ण शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में कप्तान सूरज अहूजा (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें सिद्धांत शर्मा ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद शिवम शर्मा ने विवेक सिंह (12) और मोहम्मद सैफ (31) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। भार्गव मेराई (एक) को नवदीप सैनी ने बोल्ड आउट किया। उपेंद्र यादव (19), कर्ण शर्मा (16), हिमांशु सांगवान (एक) और राहुल शर्मा (तीन) रन बनाकर आउट हुए। कुनाल यादव (0) को आउट कर आयुष बडोनी ने रेलवे की पारी को 114 के स्कोर पर समेट दिया। इसी के साथ दिल्ली ने पारी और 19 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर शिवम शर्मा ने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। नवदीप सैनी, सिद्धांत शर्मा और मनी ग्रेवाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। रेलवे ने पहली पारी में 241 रन बनाए थे।

विराट कोहली के हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टेस्ट क्रिकेट में कोहली बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमजोर रहे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में केवल 6 रन बनाए और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो पारियों में 58 रन बनाए, जिससे उनका औसत 21.33 रहा। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने एक शतक जरूर लगाया लेकिन बाद में संघर्ष करते दिखे। चैंपियंस ट्रॉफी आने वाली है। ऐसे में कोहली ने फार्म में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट का रुख किया था।

महिला एशेज 2025: ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को मात देकर रचा इतिहास, एशेज में बना ये महारिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया महिला टीम और इंग्लैंड महिला टीम के बीच एशेज 2025 खेली जा रही थी जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के बीच तीन वनडे, तीन टी20 इंटरनेशनल और एक टेस्ट खेला गया। सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने कमाल करते हुए इंग्लैंड का पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया। महिला कंगारू टीम ने सिर्फ एक फॉर्मेट की सीरीज में इंग्लैंड का सूपड़ा साफ नहीं किया बल्कि तीनों फॉर्मेट में इंग्लैंड को क्लीन स्वीप किया।

ये मल्टी फॉर्मेट एशेज के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जब ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का तीनों फॉर्मेट की सीरीज में सूपड़ा साफ किया हो। इस तरह ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने 2025 की एशेज जीतकर इतिहास रच दिया।

पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गई, सीरीज के पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से जीत अपने नाम की। फिर दूसरे वनडे में कंगारू टीम ने 21 रनों से जीत अपने खाते में डाली। इसके बाद सीरीज के आखिरी वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 86 रनों से जीत अपने नाम की।

इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली गई। टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 57 रनों से जीत दर्ज की। फिर दूसरे मुकाबले में कंगारू टीम ने डीएलएस के तहत 6 रन से जीत हासिल की। इसके बाद आखिरी टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 72 रनों से हराया।

फिर आखिर में दोनों टीमें एकलौते टेस्ट मैच के लिए भिड़ी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को एक पार और 122 रनों से करारी शिकस्त दी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का एशेज में पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया।

कनकशन सब्स्टीट्यूट बनकर उतरे हर्षित राणा... खड़ा हो गया विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पुणे टी20 मैच के दौरान हर्षित राणा को बतौर कनकशन सब्स्टीट्यूट उतारा इस लेकर विवाद हो गया। शिवम दुबे को मैच के दौरान बल्लेबाजी कर हेलमेट पर बॉल लगी थी। इसके बाद वे गेंदबाजी करने नहीं उतरे और उनकी जगह पर हर्षित को मैदान में बुलाया गया। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया और 3 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम मूमिका निभाई। कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर उन्हें खेलने का मौका मिला लेकिन लोग इसे इम्पैक्ट प्लेयर बता रहे हैं।

पुणे टी20 में भारत ने पहले बल्लेबाजी कर 9 विकेट पर 181 रन का लक्ष्य दिया था।लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम 19.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। राणा ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं रवि बिश्नोई ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट झटके। वरुण चक्रवर्ती ने 2 जबकि अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने 1 इंग्लिश बल्लेबाज को चलाता किया। भारत ने 15 रन से मैच जीतकर सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली। मैच खत्म होने के बाद इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने हर्षित को कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर शिवम दुबे की जगह मैच में उतारने पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा यह लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट नहीं है।

आईसीसी ने मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की जगह प्लेइंग इलेवन में संभावित लिस्ट में शामिल खिलाड़ियों में से किसी को मैदान पर उतारने का नियम बनाया है। आईसीसी के नियम के मुताबिक जो खिलाड़ी चोटिल होता है उसकी क्षमता का खिलाड़ी मैदान पर उतारा जा सकता है। गेंदबाज की जगह गेंदबाज, बल्लेबाजी की जगह बल्लेबाज, विकेटकीपर और ऑलराउंडर की जगह भी खिलाड़ी रिप्लेस कर सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर के नियम का प्रयोग होता है। आईसीसी ने इस नियम को अभी तक इंटरनेशनल मुकाबलों में लागू नहीं किया है। नियम के मुताबिक मैच के दौरान पहली पारी और दूसरी पारी के बीच में दोनों ही टीम को किसी एक खिलाड़ी के बदले दूसरे खिलाड़ी को शामिल करने का मौका मिलाता है। जैसे पहले पारी में बल्लेबाजी कर चुके खिलाड़ी को गेंदबाज से बदला जा सकता है।

कनकशन सब्स्टीट्यूट और इम्पैक्ट प्लेयर में क्या हैं

मूलभूत अंतर

ये दोनों ही नियम एक दूसरे से बिल्कुल जुदा हैं। एक ओर जहां कनकशन सब्स्टीट्यूट में सिर्फ समान क्षमता के खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, वहीं इम्पैक्ट खिलाड़ी [illegible] तौर पर किसी भी खिलाड़ी को उतारा जा सकता है। कनकशन में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होकर मैदा[illegible] से बाहर आता है, तब सब्स्टीट्यूट के तौर पर आने [illegible]ली खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है। वहीं इम्पैक्[illegible] प्लेयर पहली पारी में बल्लेबाजी कर चुके बैटर की [illegible]गह आने वाला गेंदबाज हो सकता है जो टी20 में पू[illegible] 4 ओवर गेंदबाजी कर सकता है।

कोहली की सुरक्षा में चूक, तीन प्रशंसक मिलने मैदान पर पहुंचे

नई दिल्ली । दिल्ली और रेलवे के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान शनिवार को तब सुरक्षा में बड़ी चूक हुई जब तीन उत्साही प्रशंसक विराट कोहली से मिलने के लिए मैदान में पहुंच गए। प्रशंसकों के लिए अपने क्रिकेट नायकों से मिलने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़ना आम बात है लेकिन ऐसा अक्सर अंतरराष्ट्रीय मैचों में देखने को मिलता है लेकिन कोहली की रणजी ट्रॉफी में 13 साल बाद वापसी करने के कारण दर्शक स्टेडियम में पहुंच रहे हैं जबकि अमूमन रणजी ट्रॉफी मैच खाली स्टेडियम में होते हैं। मैच में कोहली की उपस्थिति के कारण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है लेकिन इसके बावजूद 3 प्रशंसक 20 से अधिक गार्डों के समूह को चकमा देकर मैदान पर पहुंच गए।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में इंडिया मास्टर्स की तरफ से खेलेंगे युवराज सिंह

मुंबई - दो बार के विश्व कप विजेता और बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह 22 फरवरी से 16 मार्च तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सत्र में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। युवराज ने 2007 में खेले गए पहले टी20 विश्व कप में भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के 1 ओवर में 6 छक्के लगाए थे। इसके बाद उन्होंने 2011 में भारत की वनडे विश्व कप में जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें अपने ऑलराउंड खेल के कारण इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। युवराज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी और श्रीलंका के उपुल थरंगा ने भी इस टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। डुमिनी दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स के लिए खेलेंगे जबकि थरंगा श्रीलंका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के पास फिर से द.अफ्रीका को हराने का मौका, इस बार मौका महिला टीम को

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पास क्रिकेट का एक और विश्व खिताब जीतने का मौका है। टीम के पास यह मौका महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में आया है, इसमें महिला टीम फाइनल में पहुंच चुकी है। भारतीय महिला टीम फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। फैंस को उम्मीद है कि भारत लगातार दूसरी बार यह खिताब जीतेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका का फाइनल मुकाबला दोपहर 12:00 बजे शुरू होगा। यह एक साल के अंदर दूसरा मौका है, जब भारत और द.अफ्रीका आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ने वाले है। भारत ने पिछले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में द.अफ्रीका को ही हराया था।

महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में भारत का अब तक का अभियान शानदार रहा है। महिला टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी 6 मैच जीते हैं। कप्तान निकी प्रसाद की अगुवाई वाली टीम ने अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत ने वेस्टइंडीज (9 विकेट), मलेशिया (10 विकेट), श्रीलंका (60 रन), बांग्लादेश (8 विकेट), स्कॉटलैंड (150 रन) और इंग्लैंड (सेमीफाइनल में 9 विकेट) पर आसान जीत दर्ज की। भारतीय ओपनर बल्लेबाज गोंगडी त्रिशा शानदार फॉर्म में हैं और 6 पारियों में 66.25 की औसत से 265 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी ओपनिंग साझेदार जी कमलिनी ने उनका अच्छा साथ दिया है। कमलिनी 6 पारियों में 45 की औसत से 135 रन बनाकर सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

लेकिन इसके बाद भी भारत के लिए चिंता का विषय मध्यक्रम की बल्लेबाज हैं, जिन्हें अभी तक खेलने का बहुत कम मौका मिल पाया है। टीम ने गेंदबाजी विभाग में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और आयुषी शुक्ला सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची पहले दो स्थान पर है। वैष्णवी 3.40 की औसत से 15 विकेट लेकर सबसे आगे हैं। आयुषी ने अब तक 5.91 की [illegible]औसत से 12 विकेट लिए हैं। उम्मीद है कि [illegible]ह जोड़ी फाइनल में भी यहां अहम भूमिका [illegible]भाएगी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में [illegible]ऑस्ट्रेलिया पर 5 विकेट की शानदार जीत के [illegible]ाद पहली बार आईसीसी महिला अंडर19 [illegible]20 विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई [illegible]िया है।

भारतीय टीम: निकी प्रसाद (कप्तान), [illegible]ानिका चालके, जी त्रिशा, कमलिनी जी, [illegible]ाविका अहिरे, ईश्वरी अवसरे, मिथिला [illegible]िनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, [illegible]रुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी [illegible]ुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, [illegible]ैष्णवी एस शामिल है।

दक्षिण अफ्रीकी टीमः सिमोन [illegible]ॉरेन्स, काराबो मेसो, कायला रेनेके (कप्तान), जेम्मा बोथा, सेशनी नायडू, दियारा [illegible]मलाकन, मोनालिसा लेगोडी, नथाबिसेंग [illegible]नी, फे काउलिंग, जे-ले फिलेंडर, लुयांडा [illegible]जुजा, डी वैन रेंसबर्ग, मिके वैन वूरस्ट, [illegible]शले वैन विक, चैनल वेंटर शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रन से हराकर रच [illegible]िया इतिहास

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में पारी और 242 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह ऑस्ट्रेलिया की एशियाई सरजमीं प[illegible] सबसे बड़ी टेस्ट जीत है। गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ ने की, जो सात साल बाद किसी टेस्ट सीरीज में कप्तान बने थे। इस श[illegible]नदार जीत ने ऑस्ट्रेलिया के लिए एशिया में उनका सबसे बड़ा विजय अभियान साबित किया। इससे पहले, भारत के खिलाफ पारी और 226 रन की जीत ऑस्ट्रेलिया की एशिया में सबसे बड़ी [illegible]ीत थी, लेकिन अब श्रीलंका के खिलाफ यह रिकॉर्ड तोड़ दिया गया है। यह ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट क्रिकेट में चौथी सबसे बड़ी जीत भी है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में ओपनर उस्मान ख्वाज[illegible] के 232 रन, स्टीव स्मिथ के 141 रन और जोस इंग्लिस के 102 रन की मदद से 654/6 पर पारी घोषित की। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम केवल 165 रन ही बना सकी। श्रीलंका की ओ[illegible] से दिनेश चांदीमल ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुन्हमैन ने 5 विकेट लिए, जबकि नाथन लियोन ने 3 विकेट चटकाए।

87वां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज : प्रज्ञानन्दा नें करूआना को हराया, गुकेश की बढ़त कायम

विज्क आन जी, नीदरलैंड । 87वें विज्क आन जी टाटा स्टील मास्टर्स सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के 11वें दौर के मुक़ाबले के बाद मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश नें खिताब को जीतने की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है, गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से चीन के वे यी से बाजी ड्रॉ खेली और वह 8 अंक बनाकर सबसे आगे बने हुए है। हालांकि उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव नें गुकेश के बराबरी में आने का मौका खो दिया वह काले मोहोरे से जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ जीत के करीब आकर चूक गए और 7.5 अंको पर दूसरे स्थान पर है। हालांकि भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें साल 2025 की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की उन्होने काले मोहरो से यूएसए के फबियानों करूआना को पराजित करते हुए 7.5 अंक बनाकर संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। करूआना की हार का फायदा गुकेश को हुआ और वह लाइव विश्व रैंकिंग में अब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी बन गए है अब उसने आगे सिर्फ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और यूएसए के हिकारु नाकामुरा है। भारत के लियॉन मेन्दोंसा नें जोरदार लय में चल रहे व्लादिमीर फेडोसीव को मात देकर सभी को चौंकाया तो पेंटाला हरीकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्सी सराना को मात देकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। अर्जुन एरीगैसी नें नीदरलैंड के जॉर्डन फॉरेस्ट से ड्रॉ खेला।

बजट: खेलो इंडिया को सबसे ज्यादा ग्रांट, खिलाड़ी हो[illegible]ंगे निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया को फिर से बजट में सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेलों के लिए आवंटन में 351.98 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की। खेलो इंडिया को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले साल से 200 करोड़ रुपए अधिक है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को कुल मिलाकर 3,794.30 करोड़ रुपए आवंटित किए गए जोकि पिछले साल की तुलना में 351.98 करोड़ रुपए अधिक है। क्योंकि आगामी वर्ष कोई ओलिम्पिक, राष्ट्रमंडल या एशियाई खेल नहीं है, ऐसे में बजट ज्यादा नहीं बढ़ाया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों को भी 340 की बजाय 400 करोड़ मिलेंगे। सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए अनुदान को 42.65 करोड़ रुपए से घटा कर 37 करोड़ रुपए करने का फैसला किया है। इसी तरह की कटौती की घोषणा राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम और युवा छात्रावास के कोष में भी की गई है। बहुपक्षीय निकायों और युवा विनिमय कार्यक्रमों के लिए योगदान को हालांकि 11.70 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 55 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

डोप परीक्षण प्रयोगशाला पर ध्यान

राष्ट्रीय शिविरों के संचालन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार नोडल निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 815 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 830 करोड़ रुपए आवंटित हुए हैं। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के लिए वित्तीय वर्ष में 23 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी का बजट 20.30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 24.30 करोड़ रुपए कर दिया गया। राष्ट्रीय खेल विकास कोष में योगदान लगातार दूसरे वर्ष 18 करोड़ रुपए जारी रहेगा।

जम्मू-कश्मीर पर विशेष ध्यान

जम्मू-कश्मीर में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए 20 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी गई है, जो पिछले साल से 14 करोड़ रुपए ज्यादा है। बजट का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के पास जाएगा जोकि स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं के चरित्र और व्यक्तित्व का विकास करता है। इसे 450 करोड़ रुपए मिलेंगे, जो पिछले वर्ष से 200 करोड़ रुपए अधिक है।

चयनकर्ता हमेशा ही बेहतरीन खिलाड़ी को बनाना चाहिए : अमरनाथ

जयपुर । पूर्व क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ ने कहा है कि जब आप काफी सीनियर होते हैं तो खेल में रनों की भूख पहले की तरह नहीं रह जाती। ऐसें चयनकर्ताओं की भूमिका और अहम हो जाती है। इससे भी फर्क पड़ता है कि चयनकर्ताओं में कितना अनुभव है और उनमें क्या योग्यता है। माना जा रहा है कि अमरनाथ ने ये बात रोहित शर्मा और विराट कोहली को खराब प्रदर्शन के बाद भी टीम में बरकरार रखे जाने पर कही हैं। अमरनाथ ने कहा 'चयनकर्ता हमेशा ही बेहतरीन खिलाड़ी को बनाना चाहिए। वहीं अगर ऐसा नहीं होगा तो वे मजबूत फैसले नहीं ले पाएंगे। रोहित और विराट के बारे में फैसला कोई मजबूत चयनकर्ता ही ले सकता है।' एक कार्यक्रम में अमरनाथ ने ये बातें कहीं हैं। उन्होंने कहा, 'एक समय पर अमरनाथ नाम के साथ ही बीसीसीआई को परेशानी हो जाती थी। मेरे पिता से भी थी और फिर इसी नाम की वजह से हमसे हुई। अगर हमारा सरनेम दूसरा होता, तो हमें टीम से हटाया नहीं किया जाता।' उन्होंने कहा कि बिशन सिंह बेदी सबसे बेहतरीन कप्तान थे। वे अपने खिलाड़ियों के लिए लड़ते थे। ऐसे ही इमरान खान बेहतरीन कप्तान थे।

छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं : कनाडा

ओटावा । कनाडा के इमिग्रेशन मिनस्टर ने भी एक बयान में कहा है कि स्टडी वीजा पर आने वाले छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय और विक्टोरिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों का कहना है कि उनके अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन स्तर पहले से ही 30 प्रतिशत की सीमा से नीचे हैं। ऐसे में नई गाइडलाइन से उन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांक क्वांटलेन पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय ने 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने 36 प्रतिशत नामांकन के साथ नई सीमा को पार कर लिया है। इस महीने प्रभावी होने वाले दिशानिर्देशों में आगामी वर्ष से तय समय सीमा को फॉलो करना होगा। कनाडा सरकार वर्तमान में तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बीच आप्रवासन को धीमा करने के प्रयास में विदेशी छात्रों के लिए दीर्घकालिक वीजा जारी करने की भी समीक्षा कर रही है। इमिग्रेशन मिनस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों की संख्या को घरेलू बाजार की मांग के अनुपात में रखने पर जोर दिया है। कनाडा की नीति शिक्षित आप्रवासियों और छात्रों का स्वागत करने की रही है लेकिन हालिया समय में उसकी नीति में बदलाव आया है। मंत्री मिलर इस बात पर जोर दे रहे हैं कि स्टडी वीजा को कनाडा में बसने की गारंटी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। स्टडी वीजा पढ़ाई की इजाजत देता है और उसे उसी तरह से देखा जाना चाहिए। बता दें कि कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रान्त की सरकार ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। बीसी सरकार ने सार्वजनिक पोस्ट सेकेंडरी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को कुल छात्रों के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। पोस्ट सेकेंडरी एजुकेशन एंड स्किल मिनिस्ट्री ने कहा है कि छात्रों के नामांकन की सीमा तय करने का मकसद संस्थानों पर दबाव कम करना है। गाइडलाइन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीतिक योजना प्रस्तुत करनी होगी। कॉलेजों की निगरानी प्रांत के प्रशासन की ओर से की जाएगी।

15 राज्यों के गवर्नर हेरिस के समर्थन में, लोकप्रियता में ट्रंप पिछड़े

न्यूयॉर्क । वर्तमान राष्ट्रपति वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने और कमला हैरिस का नाम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आने के बाद, अमेरिका की राजनीति में जबरदस्त उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फ़ीसदी की गिरावट देखी जा रही है। जिन राज्यों से ट्रंप को भारी समर्थन मिल रहा था। उन राज्यों में भी कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद ऑनलाइन सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कमला हैरिस को 24 घंटे के अंदर 15 डेमोक्रेटिक गवर्नर तथा 55 सीनेटरों का समर्थन मिला है। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम सामने आते ही, अब डोनाल्ड ट्रंप को अपनी रणनीति को बदलना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को कमला हैरिस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चल रही है। उसका मुकाबला करना पड़ेगा। कमला हैरिस अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिका की 25 फ़ीसदी आबादी अश्वेत मतदाताओं की है। कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार की समर्थक रही हैं। कमला हेरिस अटॉर्नी रह चुकी हैं। वह ट्रंप के क्रिमिनल रिकॉर्ड को चुनावी प्रचार का हथकंडा बनाएंगी। ट्रंप के लिए कमला हेरिस को घेरना अब मुश्किल हो जाएगा।

10 घंटे में 435 करोड़ का चंदा – कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही 10 घंटे के अंदर 435 करोड रुपए का चंदा इकट्ठा हुआ। 2020 के चुनाव में एक दिन के अंदर 295 करोड रुपए का रिकॉर्ड चंदा एकत्रित हुआ था। इस बार 10 घंटे में ही 435 करोड रुपए इकट्ठे हो गए।

अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ड लाडरडेल अरबपतियों का नया पसंदीदा शहर

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ट लाडरडेल शहर अरबपतियों का नया ठिकाना बन रहा है। फ्लोरिडा के इस शहर में बड़ी संख्या में अरबपति आकर बस रहे हैं। यहां की प्रॉपर्टी में याटपार्क करने की सुविधा है। जैफ बेजोस, कैन ग्रिफिन, लियोनेल मेसी जैसे दिग्गज यहां पर प्रॉपर्टी ले चुके हैं। अन्य अरबपति और ख़रबपति भी यहां प्रॉपर्टी में निवेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में यहां संपत्तियों की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। डेढ़ साल पहले जो बंग्ला ढाई सौ करोड रुपए का था। अब वह 400 करोड रुपए में बिका है। कहा जा रहा है, अरबपतियों का यह नया गढ़ बन गया है। जिसके कारण आने वाले समय में यहां प्रॉपर्टी की कीमत और भी तेजी के साथ बढ़ेगी।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं। सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

ट्रम्प पर हमले में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने माना हुई बड़ी चूक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है जिसमें बताया गया है कि सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना कि ट्रम्प पर हमला दशकों में सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने यह बयान दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसकी वजह से ट्रंप घायल हो गए थे। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा कि इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। बता दें पेंसिल्वेनिया में गत शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल-बाल बच गए और उन्हें गंभीर चोट नहीं आई थी। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई।

ताइवान में एक महिला सैनिकों को नदी के करीब किसी दुश्मन को रोकने के लिए बारुदी सुरंग लगाते हुए देखती हुई।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को लेकर 'स्पष्ट और दृढ़', भारतीय क्षेत्रों पर दावा

–पीएम बनते ही ओली ने उठाया सीमा विवाद का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त पीएम के.पी.ओली शर्मा ने कहा कि भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों को कूटनीतिक तंत्र के जरिए हल करने के लिए तैयार है और काठमांडू अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में 'स्पष्ट और दृढ़' है। प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने के एक दिन बाद सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए ओली ने कहा कि सरकार इस बात पर दृढ़ और स्पष्ट है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख समेत महाकाली नदी के पूर्व में स्थित क्षेत्र नेपाल के हैं। ओली ने कहा कि संघीय संसद और नेपाल सरकार का रुख देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पष्ट और दृढ़ है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने एक नया मानचित्र अपनाया है, जिसे 2017 में संविधान में दूसरे संशोधन के जरिए से शामिल किया गया है और इसके अनुलग्नक तीन में उल्लेख किया गया है और हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति बनी है। ओली ने 15 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं के दौरान हुई मुलाकातों में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तंत्र के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी है। ओली ने कहा कि 4 जनवरी को आयोजित नेपाल-भारत विदेश मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान नेपाल-भारत सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

चीनी भाई-भाई, इजरायल-यूएस की नाक के नीचे बीजिंग ने 17 साल पुराने 2 दुश्मनों की दोस्ती कराई

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन की जंग रूकने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ती ही जा रही है। इन सब के बीच चीन से ऐसी खबर सामने आई है जो अमेरिका और इजरायल दोनों की टेंशन बढ़ा सकती है। हूती की लड़ाई अलग लेवल पर पहुंच गई है तो हिज्जबुल्ला ने भी अपने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल के ऊपर इसका असर दिखने लगा है। कुछ वक्त पहले की बात है जब रूस में हमास और फिलिस्तीन के अन्य संगठनों की मीटिंग हुई थी। इसके पीछे का मकसद था कि जंग के खत्म होने के बाद गाजा-वेस्ट बैंक के इलाके में सारे फिलिस्तीनी मिलकर काम करे। अब हाल में ही चीन में एक मीटिंग हुई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। चीन की इस मीटिंग में फतह, हमास और इसके अलावा 14 अलग अलग आजाद फिलिस्तीन के एक्टिव संगठन मौजूद थे। इन सारे विभिन्न संगठनों में आपस में ही गतिरोध रहा है और जिसका फायदा इजरायल को मिलता रहा है। चीन के विदेश मंत्री और हमास के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी गुटों हमास और फतह ने चीन की मध्यस्थता में हुई एक बैठक में इजराइल के साथ युद्ध के बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा के लिए एक अंतरिम राष्ट्रीय सुलह सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में तीन दिनों की वार्ता के बाद 12 अन्य फिलिस्तीनी गुटों के साथ समूहों के प्रतिनिधियों ने एकता के लिए काम करने का वादा किया। यह हमास और फतह के बीच लंबे समय से खंडित संबंधों के बीच हुए कई सुलह समझौतों में से नवीनतम है, जिनमें से किसी के भी कारण अभी तक विवाद का अंत नहीं हुआ है। इज़राइल ने वहां शत्रुता समाप्त होने के बाद

गाजा पर शासन करने में हमास या फतह की भूमिका से भी इंकार कर दिया है। गहरा विभाजन 2007 में शुरू हुआ जब फतह को क्षेत्र से हिंसक तरीके से बेदखल करने के बाद हमास गाजा में एकमात्र शासक बन गया। यह फिलिस्तीनी राष्ट्रपति और फतह नेता महमूद अब्बास द्वारा हमास के नेतृत्व वाली एकता सरकार को भंग करने के बाद आया, जब हमास ने एक साल पहले राष्ट्रीय चुनाव जीता था। तब से, फतह-प्रभुत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण को वेस्ट बैंक के केवल कुछ हिस्सों का प्रभारी छोड़ दिया गया है।

इजराइल-हमास युद्ध से क्या चाहता है चीन?

बीजिंग पहले अप्रैल में हमास और फतह के बीच वार्ता की मेजबानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा चीन और फिलिस्तीन रोसेमंद भाई और अच्छे साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि चीन एकता और सुलह की दिशा में सभी संबंधित पक्षों के साथ अथक प्रयास करेगा। विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि सुलह फिलिस्तीनी गुटों के लिए एक आंतरिक मामला है, लेकिन साथ ही, इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया... भारत विरोधी टिप्पणियां लिखी गई

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। खालिस्तान समर्थकों पर कनाडा में एक्शन ना होकर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में कनाडा के एडमोंटन में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी टिप्पणियां लिख दी गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई। साथ ही कहा कि ग्रैफिटी के द्वारा भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर भी हमला किया गया।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने पोस्ट में लिखा, कनाडा के एडमोंटन में मंदिर आज सुबह एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर पर कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सदस्यों में से एक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया। हम इस घटना की निंदा करते हैं जो पिछले कई हमलों का ही हिस्सा है जिनमें से ज्यादातर के लिए खालिस्तान समर्थक दोषी हैं।

सांसद आर्य ने कहा है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आर्य ने कहा, एडमॉन्टन में स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ की गई है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के दूसरे जगहों पर हिंदू मंदिरों को ग्राफिटी के जरिए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सांसद चंद्र आर्य ने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा फैलाने के बावजूद आसानी से बच जाते हैं। फिर से मैं इस रिकॉर्ड पर रखूंगा। हिंदू कनाडाई इससे चिंतित हैं। मैं फिर से कनाडा की कानूनी एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की गुजारिश करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी लोगों के खिलाफ शारीरिक हिंसा में तब्दील हो जाए।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ कबाइलियों ने बुलाया जिरगा, ऑपरेशन का किया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना का देश में विरोध शुरू हो गया है। पश्तून कबाइलियों ने सेना के चरमपंथ विरोधी ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाई है। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सीएम हाउस पर कबाइलियों का जिरगा (बैठक) बुलाया गया, जिसमें कई बड़े कबाइली नेता शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा में नेताओं ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम का विरोध किया। इसके साथ ही पाकिस्तान को गुड तालिबान और बैड तालिबान दोनों को खत्म करने को कहा गया है। गुड तालिबान पाकिस्तान में उन तालिबानी आतंकवादियों को कहा जाता है, जिनके पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा की अध्यक्षता खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने की। इसमें केपी के मुख्य सचिव, आईजी पुलिस, बन्नू के कमिश्नर और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर ने भाग लिया। जिरगा में कबाइली नेताओं ने सीएम गंडापुर के सामने 11 मांगे रखी। उन्होंने मांग की कि तलाशी अभियान के दौरान मदरसों, घरों और व्यक्तियों के साथ अनुचित व्यवहार नहीं होना चाहिए।

जिरगा नेताओं ने कहा कि मदरसों और घरों पर रेड करना गलत होगा और इससे लोगों में गुस्सा बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में तालिबान से निपटने के लिए पूर्ण अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक विभाग को पूरी तरह सक्रिय करने और आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने का आग्रह किया है।

पश्तूनों के विरोध का असर पाकिस्तान में दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक मजबूत लॉबी नेशनल एक्शन प्लान को सफल नहीं होने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम की तुलना जर्ब-ए-अज्ब और राह-ए-निजात जैसे पिछले अभियानों से करना ठीक नहीं है।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है।

देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं।

सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त

श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है।

सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

हमारा दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है, डोनाल्ड ट्रंप का अतीत पर: हैरिस

–मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने राष्ट्रपति पद के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। हैरिस ने विलमिंगटन, डेलावेयर में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर व्यक्तिगत हमला करते हुए ट्रम्प को धोखेबाज, जालसाज और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाला इंसान बताया है। हैरिस ने कहा कि उनका दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है जबकि ट्रंप का अतीत पर। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन फोन द्वारा इसमें शामिल हुए।

हैरिस ने बाइडेन के स्टाफ को ही अपने अभियान में लगा लिया है। बाइडेन ने भी अपने स्टाफ से कमला हैरिस के लिए दिल से काम करने को कहा है। हैरिस के अभियान ने केवल 24 घंटे में 81 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। डेमोक्रेट उत्साहित दिख रहे हैं और पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन के बाद अब हैरिस के पीछे खड़े हैं। 20,000 से ज्यादा नए वालंटियर अभियान में जुड़ गए हैं। हैरिस ने अपने भाषण में एक जिला अदालत से लेकर कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल बनने तक के अपने करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों का सामना किया जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे धोखेबाज जो कंज्यूमर्स को लूटते हैं, जो अपने लाभ के लिए नियम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा मेरी बात सुनिए क्योंकि मैं डोनाल्ड ट्रंप टाइप लोगों को जानती हूं।

हैरिस ने कहा डोनाल्ड ट्रंप एक कॉलेज ट्रम्प यूनिवर्सिटी चलाते थे, जिसे छात्रों को ठगने के लिए 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। 2007-2008 के वित्तीय संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों से मुकाबला किया और कैलिफोर्निया के परिवारों के लिए 20 बिलियन डॉलर जीते। उन बैंकों को धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप को हाल ही में धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया गया है। हैरिस ने ट्रंप के साथ मुकाबले को अमेरिका के लिए दो विपरीत धाराओं की लड़ाई के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप देश को पीछे ले जाना चाहते हैं जब हमारे साथी अमेरिकियों को पूर्ण स्वतंत्रता और अधिकार नहीं थे। हम एक ऐसे उज्जवल भविष्य में विश्वास करते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए जगह बनाए। हम एक ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति को न केवल गुज़र-बसर करने का बल्कि आगे बढ़ने का मौका मिले। इन सबका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य होगा।

मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर सुप्रीम कोर्ट बोला- किसी को खास सुविधा न मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि मंदिरों में प्रवेश के मामले में किसी के साथ कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन मंदिरों में वीआईपी दर्शन सुविधाओं को समाप्त करने की मांग वाली याचिका पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि संबंधित अधिकारी उचित समझे जाने वाली कोई भी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने कहा कि हालाँकि हमारी राय हो सकती है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष उपचार नहीं दिया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने के लिए एक उपयुक्त मामला है। हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका को खारिज करने से किसी भी तरह से रोक नहीं लगेगी। उचित अधिकारियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कार्रवाई करने से रोकें।

याचिकाकर्ता विजय किशोर गोस्वामी की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि मंदिरों में दर्शन के लिए वीआईपी को विशेष सुविधा देना मनमाना है और संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जानी चाहिए ताकि सभी को समान अवसर मिले। जब उन्होंने कहा कि एसओपी की कमी भी भगदड़ जैसी दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं का कारण बन रही है, तो पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की चिंता कानून और व्यवस्था के बारे में प्रतीत होती है और याचिका उस पर विशिष्ट होनी चाहिए थी। वकील ने बताया कि देश के कुल पर्यटन क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन 50 प्रतिशत से अधिक है, और कहा कि अब 12 ज्योतिर्लिंगों और सभी शक्तिपीठों में विशेष दर्शन सुविधाओं का पालन किया जाता है। याचिका में तर्क दिया गया कि मंदिरों द्वारा निकट से दर्शन के लिए भक्तों से शुल्क लेना उन भक्तों के प्रति भेदभावपूर्ण है जिनके पास वीआईपी प्रवेश शुल्क का भुगतान करने के लिए वित्तीय संसाधन नहीं हैं।

बजट में किसानों की आय बढ़ाने की कोई योजना नहीं- राकेश टिकैतं

मुजफ्फरनगर। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट पर भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने साफ तौर पर कहा कि केंद्रीय बजट में सीधे तौर पर किसानों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजना नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों को इसमें कोई खास राहत नहीं मिली है। राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को इस बजट से कुछ ठोस उम्मीद थी। किसानों को कागजों पर तो कुछ उम्मीदें दिखाई दे रही है, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई फर्क नहीं पड़ा है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि किसानों की समस्याओं पर अधिक ध्यान दिया जाए और बजट में उनके लिए किसी महत्वपूर्ण योजना की घोषणा हो। राकेश टिकैत ने सरकार से मांग की कि किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों के आय में वृद्धि हो। उनका जीवन स्तर बेहतर हो। उन्होंने यह माना कि इस बजट में किसानों को कोई खास सौगात नहीं मिली है। उनका मानना है कि यह किसान आंदोलन और उनकी लड़ाई की दिशा में यह बजट मददगार नहीं होगा।

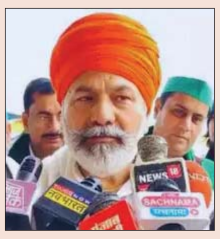

धीरेन्द्र शास्त्री पर भड़के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, कहा-वे भी यहां आकर मोक्ष प्राप्त करें

महाकुंभ नगर । ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों पर कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर वह किसी की मौत को मोक्ष बता रहे हैं तो खुद ही महाकुंभ में इस तरह का मोक्ष क्यों नहीं ले लेते। महाकुंभ अभी भी चल रहा है और उन्हें यहां आकर इसी तरह से मोक्ष ले लेना चाहिए। शंकराचार्य का साफ आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री ने यह बयान मामले को हल्का साबित कर कुछ लोगों को खुश करने के लिए दिया है। वह जिस अंदाज में बोल रहे हैं वह बेहद आपत्तिजनक है। उनके इस बयान से पीड़ित परिवार और दुखी हो रहे हैं। मौत पर पीड़ित परिवारों का दुख बांटना चाहिए ना कि उसका उपहास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत और कथावाचक अगर ऐसा करेंगे तो लोगों को और भी तकलीफ होगी। उन्होंने कहा है कि धीरेंद्र शास्त्री के बयान से लोग इतने गुस्से में हैं कि उनसे कह रहे हैं कि अगर वह यहां दिख जाएंगे तो उन्हें धक्का दे देंगे और मोक्ष दिला देंगे। उन्होंने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि सरकार भगदड़ की घटना के बाद अब लीपापोती में जुटी हुई है और सबूत को मिटाया व कमजोर किया जा रहा है।

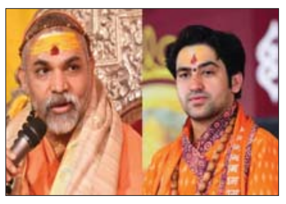

शराब से कैंसर का खतरा, 24 वर्षीय युवक की हाईकोर्ट में याचिका

मुंबई। हम कई लोगों को शराब का गिलास उठाते हुए देखते हैं, कभी-कभी मजे के लिए, तो कभी-कभी हताशा के कारण। युवा पीढ़ी भी पीछे नहीं है। लेकिन अब इसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक 24 वर्षीय यश चिलवार नाम के युवक ने शराब के मुद्दे पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। युवक ने न्यायालय में याचिका के माध्यम से गुहार लगाते हुए कहा है कि शराब की बोतलों पर कैंसर संबंधी चेतावनी संदेश छपवाए जाएं। याचिका में कहा गया है कि जिस प्रकार सिगरेट और तम्बाकू के पैकेटों पर कैंसर की चेतावनी छपी होती है, उसी प्रकार शराब की बोतलों पर भी खतरे की चेतावनी लिखी होनी चाहिए। कैंसर की चेतावनियाँ शराब की खपत कम करने में मदद करेंगी। इस बीच, अदालत ने इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश आलोक आराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ के समक्ष इस याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग को प्रतिवादी बनाने का आदेश दिया गया था। इसने केंद्रीय खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को भी नोटिस जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण है कि ये विभाग क्या भूमिका निभाते हैं।

सम्मान के साथ मरने का अधिकार देने वाला पहला राज्य बना कर्नाटक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक ने गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों को सम्मान के साथ मरने का अधिकार देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू किया है। यह पॉलिसी उन लोगों पर लागू होती है जिन्हें लाइलाज बीमारी है या जिनके अस्पताल में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर होने के बावजूद ठीक होने की कोई संभावना नहीं है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घोषणा की कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने 'मरीजों को सम्मान के साथ मौत का अधिकार' संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लागू करने के लिए ऐतिहासिक आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अग्रिम मेडिकल निर्देश (एएमडी) या 'लिविंग विल' (जीवनकालीन वसीयत) जारी किया है, जिसमें मरीज भविष्य में अपने इलाज के बारे में अपनी इच्छा दर्ज करा सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री गुंडू राव ने कहा, सम्मान के साथ मरने का अधिकार लागू होने से उन लोगों को अत्यधिक लाभ होगा, जो असाध्य बीमारी से परेशान हैं और जिनके ठीक होने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने एक अग्रिम चिकित्सा निर्देश भी तैयार किया है, जिसमें मरीज भविष्य में अपने उपचार के बारे में अपनी इच्छाएं दर्ज करा सकते हैं। नए नियमों के तहत, टू-स्टेप मेडिकल रिव्यू सिस्टम के तहत प्रत्येक मामले का निर्णय होगा। तीन डॉक्टरों का एक बोर्ड मरीज की स्थिति का आकलन करेगा। तीन डॉक्टरों और सरकार द्वारा नियुक्त डॉक्टर वाला एक दूसरा बोर्ड, अदालत को रिपोर्ट भेजने से पहले निष्कर्षों की समीक्षा करेगा। यदि अदालत मंजूरी दे देती है, तब चिकित्सकीय देखरेख में मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाएगा। जिससे उसका शांतिपूर्वक निधन होगा। यह प्रक्रिया मरीज के परिवार के अनुरोध के बाद ही शुरू होगी।

दरअसल कर्नाटक सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के अनुरूप है, इसमें शीर्ष अदालत ने असाध्य बीमारी से ग्रसित रोगियों को लंबे समय तक पीड़ा झेलने से बचाने लिए सम्मान के साथ मौत का अधिकार पर विचार करने की बात कही थी। कर्नाटक सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, सर्जन, एनेस्थेटिस्ट या इंटेंसिविस्ट, जिसे मानव अंग और ट्रांसप्लांट अधिनियम, 1994 के तहत उपयुक्त प्राधिकारी ने अनुमोदित किया गया है, उसे जिला स्वास्थ्य अधिकारी, ऐसी मौतों को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के द्वितीयक बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित करेगा। गोवा, महाराष्ट्र और केरल ने भी इस संबंध में कुछ नियम और निर्देश पारित किए हैं, लेकिन प्रयास अब भी अपूर्ण हैं। इस तरह कर्नाटक सम्मानजनक मौत का अधिकार लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बना है।

महबूबा की नीतीश और चंद्रबाबू नायडू से अपील, वक्फ संशोधन विधेयक को पास होने से रोकें

-दोनों को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर की मांग

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एनडीए गठबंधन के सहयोगियों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर संसद में पेश होने वाले वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को रोकने का आग्रह कर कहा है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। पीडीपी नेता महबूबा ने नायडू और नीतीश कुमार को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर कहा कि दोनों देश के संविधान में भरोसा रखते हैं और लगातार गंगा-जमुना भाईचारे की भावना का समर्थन करते हैं।

महबूबा ने पत्र में लिखा कि एनडीए के प्रमुख सदस्यों के रूप में आप मामले को

प्रभावित करने और हमले को रोकने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात हैं। मैं ईमानदारी से आपसे हस्तक्षेप करने और विधेयक को हमारी राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नु सान पहुंचाने से रोकने का आग्रह करता हूं। महबूबा ने कहा कि प्रस्तावित सं ोधन न केवल मुस्लिम समुदाय के हि ों का खंडन करता है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला करता है।

मुफ्ती ने कहा, यह गहरा विभाजनकारी बिल बहुसंख्यकवाद की स्पष्ट अभिव्यक्ति है, जिसने 2014 से कट्टरता को बढ़ावा दिया है और मुस्लिम समुदाय को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जेपीसी के प्रति विपक्ष द्वारा उठाई गई शंकाओं की घोर उपेक्षा पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि असंवैधानिक और सत्तावादी बिल से सबसे अधिक प्रभावित समुदाय से परामर्श करने के किसी भी वास्तविक प्रयास के बिना परामर्श की कवायद हास्यास्पद लगती है। वक्फ के स्वामित्व वाली संपत्तियों के सुधार के रूप में तैयार किया गया, इसका असली उद्देश्य वक्फ अधिनियम की नींव को कमजोर करना है, जो धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुसलमानों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण करना है। इस बीच श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी ने भी कहा है कि कुमार और नायडू दोनों को विधेयक के समर्थन में मतदान नहीं करना चाहिए।

सुपौल में नदी के किनारे मिला लड़की का शव, बॉडी 5 टुकड़ों में मिली... लेकिन सिर नहीं मिला

सुपौल । सुपौल में शनिवार को नदी के किनारे एक लड़की का शव मिलने से हड़कंप मचा गया है। शव को दो अलग-अलग बोरियों में बंद कर फेंका गया था। बॉडी 5 टुकड़ों में मिली है। एक बोरी में धड़ रखा था। दूसरी में दोनों हाथ और पैर। लेकिन शव का सिर गायब है। लड़की की उम्र 20 से 25 साल की हो सकती है। धड़ पर कोई कपड़ा नहीं मिला है, इसकारण रेप की आशंका है। बताया जा रहा है कि मीट काटने वाले दबिया से लड़की के शव के टुकड़े किए गए हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार दोपहर नदी किनारे से तेज बदबू आने पर गांव वालों को शक हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसपर पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने 100 मीटर के दायरे में दो अलग-अलग बोरियों से शव को बरामद किया। बॉडी का सिर अब भी नहीं मिला है। इससे शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार शव की स्थिति को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या करीब 4-5 दिन पहले की गई होगी। बॉडी फूल चुकी है, जिससे आशंका है कि कई दिनों तक शव को छिपाकर रखा गया होगा फिर नदी किनारे फेंक दिया गया।

2025 का आम बजट राज नीतिक स्वार्थ का अधिक और देशहित का कम- मायावती

लखनऊ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आम बजट श किया। इस दौरान उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इस बजट को लेकर बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि बीजेपी सरकार का भी बजट, कांग्रेस की ही तरह, राजनीतिक स्वार्थ का ज्यादा और जन एवं देशहित का कम लगता है। मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि देश में म ंगाई, गरीबी, बेरोजगारी की चरम पर है। सड़क, पानी, शिक्षा, सुख-शांति आदि की जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण करीब 140 करोड़ व ी बड़ी जनसंख्या वाले भारत में लोगों का जीवन दुभर हो रहा है, जिसका केंद्रीय बजट के माध्यम से भी निवारण होना जरूरी है। उन्होंने आगे लिखा कि वर्त ान बीजेपी सरकार का भी बजट, कांग्रेस की ही तरह, राजनीतिक स्वार्थ का अधिक और जन एवं देशहित का कम लगता है। अगर ऐसा नहीं है तो इस स रकार में भी लोगों का जीवन लगातार तंग, बदहाल और दुखी क्यों? विकसित भारत का सपना बहुजनों के हित का भी होना जरूरी है। बता दें वित्त मं सीतारमण ने शनिवार को बजट पेश किया। बजट में वित्त मंत्री ने किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कई अहम घोषणाएं की है। वित्त मंत्री ने क हा कि यह बजट विकास की रफ्तार बढ़ाने, समग्र विकास करने, निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, घरेलू संवेदनाओं को मजबूत करने और मध्यम वर्ग के खर्च क रने की क्षमता को बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, बीजापुर में आठ माओवादी ढेर

बीजापुर। बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र के तोडका इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ आठ नक्सली मारे गए। सूत्रों के मुताबिक, मारे गए सभी नक्सलियों के शव जवानों ने बरामद कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि अभी भी मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में डीआरजी और एसटीएफ के जवान शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से कई स्वचलित हथियार भी बरामद हुए। जवान शनिवार की सुबह उस इलाके में पहुंचे तो माओवादियों ने जवानों को देख फायरिंग शुरू दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। वहीं इस मुठभेड़ में नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है यह अभी स्पष्ट नहीं है। आईजी सुंदरराज पी का कहना है कि मुठभेड़ जारी है। सर्च ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है। इससे पहले नक्सल प्रभावित जिला गरियाबंद में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली थी। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 14 नक्सली मारे गये थे। वहीं, सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ था। 14 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर किए गए।

बजट पर तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया, बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ

-पप्पू यादव ने कहा, थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो

मुंबई (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट पेश किया है। इस बार बजट में बिहार केंद्र में रहा। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष बजट पर प्रतिक्रिया दे रहा हैं। विपक्ष के नेता बजट का विरोध कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि टैक्स से छूट का जश्न मनाने से पहले थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो। छूट का लाभ लेने के लिए बाप-बाप करना होगा। वहीं कृषि मंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बजट की सराहना की है।

बजट पर तेजस्वी ने कहा है कि बिहार को हमेशा से मोदी और डबल इंजन की सरकार ने ठगने का काम किया है। विशेष पैकेज और विशेष राज्य की दर्ज पर बात की नहीं गई। केवल जुमला और हवाबाजी है।

2015 में हमारी सरकार आई थी तब हमारी सरकार ने बिहटा एयरपोर्ट के लिए अतिरिक्त ज़मीन अधिक्रेत कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को दिया था। अब तक उसका काम शुरू नहीं हुआ है। ट्रेन का भाड़ा महंगा होता जा रहा है। इसमें कहीं कोई राहत नहीं है। पहले के बजट में रेल का अलग बजट आता था, इस इन लोगों ने खत्म कर दिया। बिहार के लिए पहले कहा था कि 59 हजार करोड़ का पैकेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भी हमारे अचेता अवस्था में हैं। ताली पीट रहे हैं।

वहीं लालू यादव की बेटी और लोकसभा की उम्मीदवार रही रोहिणी आचार्य ने बजट पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा है कि पिछले चार दशकों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी का सृजन करने वाली सरकार का चमको अतंरिम बजट भी इंडिया शाइनिंग की ही तरह भरमाने वाला है। इनकम टैक्स में कोई बड़ी राहत-रियायत नहीं देकर मध्यम आय वर्ग के लोगों के हितों की अनदेखी पूंजीपतियों की पोषक सरकार ने एक बार फिर की है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा 12 लाख की आय पर टैक्स से छूट का जश्न मनाने से पहले थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो। जीएसटी की तरह नया इनकम टैक्स बिल में इतना झोल होगा कि 12 लाख तक की छूट का लाभ लेने के लिए बाप-बाप करना होगा। यह सरकार किसी की सगी नहीं। ठगी के अलावा कुछ करती नहीं दिल्ली चुनाव के बाद काली नीयत।

1600 दिनों से जेल में बंद उमर खालिद की रिहाई को लेकर उठी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्हैया कुमार, उमर खालिद और शरजील इमाम ये सारे नाम कभी सुर्खियों में थे। ये सारे जेएनयू के छात्र थे। कुछ पढ़ने और कुछ बनने आए थे। लेकिन किस्मत ने किसी को कही और किसी को कही पहुंच दिया। संसद हमले के दोषी अफजल गुरु की फांसी के खिलाफ साल 2016 में जेएनयू कैंपस में विरोध प्रदर्शन हुआ और तभी देश विरोधी नारे लगने के आरोप में ऐसा हंगामा शुरू हुआ कि आज तक खत्म नहीं हुआ है। तब ये सभी चेहरे बीजेपी विरोधियों के हीरो और बीजेपी समर्थकों के लिए खलनायक बन गए थे। कन्हैया कुमार, उमर खालिद सहित कई जेएनयू के छात्र जेल में डाल दिए गए और बाद में जमानत पर बेल पर रिहा भी हुए। जेएनयू विवाद से कन्हैया के राजनीति में आने का रास्ता भी खुला। लेकिन उमर खालिद का नाम लगातार बड़े विवाद, हिंसा की घटनाओं और देश विरोधी साजिशों में आता रहा। उमर खालिद का एजेकुशन बॉयोडेटा जितना हैवी है उससे ज्यादा उनके आरोपों की फाइल भी भारी हो चुकी है। झारखंड के आदिवासी पर पीएचडी की पढ़ाई के दौरान ही नेता बने खालिद सीएए एनआरसी के विरोध प्रदर्शन में शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन में भी शामिल हुए। फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों में 53 लोगों की जान गई और 700 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। सितंबर 2020 में उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। उन पर दंगा भड़काने, साजिश रचने और भड़काने का आरोप लगा।

आतंकवादी विरोधी कानून यूएपीए में उन्हें गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। तब से अभी तक खालिद की रिहाई नहीं हुई है। खालिद के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज हुई थी। इसमें से एक में उन्हें जमानत मिल गई थी जबकि दूसरे यूएपीए में सुनवाई पूरी नहीं हुई है। 1600 दिनों से खालिद जेल में बंद है। समाज का एक वर्ग उमर खालिद के प्रति सहानुभूति दिखा रहा है। मोदी सरकार से लड़ने वाले एक हीरो की तरह पेश कर रहा है। पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों उमर खालिद के रिहाई का प्रेशर बनाने के लिए कैंपेन चल रहा है। 30 जनवरी को महात्मा गांधी के पुण्यतिथि से जुड़कर एक सौ साठ शिक्षाविदों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं ने बयान जारी कर नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किए गए छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद सहित अन्य लोगों की रिहाई की मांग की। हस्ताक्षरकर्ताओं में लेखक अमिताव घोष, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, इतिहासकार रोमिला थापर, अर्थशास्त्री जयति घोष, शांति कार्यकर्ता हर्ष मंदर और राजनीतिक वैज्ञानिक क्रिस्टोफ जाफरलॉट शामिल थे। खालिद ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में 1,600 दिन बिताए हैं।

भारत-बांग्लादेश के तनाव चरम पर, भारत के साथ बात करते हुए हमारी टोन अलग होगी

-बार्डर विवाद को सुलझाने बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के 4096 किलोमीटर लंबे बॉर्डर को शेयर करते हैं, इस बार्डर को रेड क्लिफ लाइन कहा जाता है। रेड क्लिफ नाम सर सिरिल रेड क्लिफ के नाम से आया। ये उस कमेटी के मुखिया थे, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान की सरहद खींची। असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय और त्रिपुरा पांच राज्यों से बांग्लादेश की सीमा लगती है। लेकिन अब इस पर मतभेद शुरू हो गए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि भारत के साथ बात करते हुए इस बार हमारी टोन अलग होगी। उन सभी समझौतों को तोड़ने वाले हैं, जिसमें बराबरी नहीं है। बात कूटनीतिक तौर पर ही होगी लेकिन हम कहीं पर भी झुकने वाले नहीं है।

दरअसल, बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के डीजी की बैठक अगले महीने फरवरी में होना तय माना जा रहा है। बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के सत्ता परिवर्तन होने के बाद जीजो के बीच यह पहली बैठक होगी। सूत्रों ने बताया कि तारीख में कोई बदलाव नहीं हुआ, तब अभी तक के शेड्यूल के हिसाब से दोनों सेना के बीच तैयारियां की जा रही है। बैठक का एजेंडा सीमा पर बाड़ लगाना, घुसपैठ रोकना, मानव और अन्य तरह की तस्करी रोकने जैसे मुद्दे शामिल रहने वाले है। इसमें सबसे टॉप पर 4096 किलोमीटर लंबे बॉर्डर की पांच लोकेशन पर भारत द्वारा सिंगल से वाली फेंसिंग लगाना रहेगा। यह सीमा पर 150 गज के दायरे में 92 जगह लगाई जा रही है। लेकिन बांग्लादेश द्वारा क ड़ी आपत्ति जाहिर करने के बाद भारत की त फ से बांग्लादेश के मालदा और दिनाजपुर स हेत तीन लोकेशन पर फेंसिंग लगाने का क म फिलहाल रुका हुआ है।

बांग्लादेश मे पिछले साल शेख हसीना स कार के सत्ता परिवर्तन के बाद यह मीटिंग न बर 2024 में नही हो सकी थी। लेकिन अ ब दोनो देश अपनी-अपनी फोर्सेज के च फ के साथ इस मीटिंग को कराने के लिए स ्मत हो रहे है। इस बार भारत बैठक का मे ाबान है इसलिए बीएसएफ ने अपने स्तर प इसकी तैयारियां शुरू कर दी है।